

ARBIT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरु

epaper.rashtradoot.com



**Manjushree Chatterjee's
Is Old-Style Kathak**

Stories of Shambhu Maharaj's incredible artistry are legion but his greatest strength was his infinitesimally delicate abhinaya. Nazakat or elegance is the basic hallmark of the Lucknow style

**A Kick Of
Disgust**

**This
Too Was
Stolen**

ईरान-अमेरिका-इजरायल युद्ध भारत के तट तक पहुँचा!

अमेरिका की पनडुब्बी ने ईरान के युद्धपोत को, भरत की जल सीमा से 40 किलोमीटर दूर डुबोया, श्रीलंका की जल सेना ने युद्धपोत के 32 नाविकों को डूबने से बचाया तथा 80 नाविक डूब गए

-अंजन रॉय-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मार्च। ईरान-अमेरिका-इजरायल युद्ध अब खतरनाक रूप से हमारे क्षेत्र के करीब आता जा रहा है। श्रीलंका के तट से लगभग 40 किलोमीटर दूर एक ईरानी युद्धपोत को अमेरिकी पनडुब्बी ने डुबो दिया। जहाज पर सवार लगभग 80 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है और अब तक चालक दल के सदस्यों में से केवल 32 को बचाया जा सका है।

नाटो गठबंधन में भी दरारें दिखाई देने लगी हैं। स्पेन ने ईरान में सैन्य कार्रवाई के लिए अमेरिकी वायुसेना को अपने हवाई अड्डों के उपयोग की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। इस इनकार से नाराज होकर ट्रंप ने स्पेन के साथ सभी व्यापारिक संबंध निलंबित करने और दंडात्मक कदम उठाने की धमकी दी है।

इसके साथ ही, यह क्षेत्रीय युद्ध अब मध्य पूर्व से बहुत आगे तक फैल रहा है, क्योंकि ईरानी युद्धपोत युद्ध क्षेत्र से हजारों मील दूर था। सवाल उठता है

- अहम सवाल है, क्या अमेरिका, यह दुःसाहसपूर्ण आक्रमण करने की हिम्मत दिखाता, अगर, ईरानी युद्धपोत, चीन या रूस की सीमा के इतना ही नज़दीक होता, जितना भारत की जल सीमा के नज़दीक था।
- अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने प्रैस कॉन्फ्रेंस में छाती ठोकते हुए गर्व से कहा कि अमेरिका यह युद्ध बेरहमी से जीतता जा रहा है और युद्ध के दिनों में "शत्रु" के जहाजों पर आक्रमण करना जायज होता है।
- पर, अहम सवाल है, युद्धपोत, भारत की जल सीमा में था या अंतर्राष्ट्रीय पानी में।
- विश्व का 20 प्रतिशत ऑयल, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ के जरिए आता-जाता है।
- फिलहाल, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ पर ईरान का आधिपत्य है, अमेरिका दावा कर रहा है कि वो शीघ्र ही इस स्ट्रेट के मार्फत आवागमन सामान्य कर देगा और इस स्ट्रेट के जरिए आवागमन को सुरक्षित करने के लिए अमेरिका की नौ-सेना द्वारा "एस्कॉर्ट" करा देगा।
- फिलहाल ईरान ने टर्कों में नाटो के एयरबेस और कतर में अमेरिका के ठिकानों पर आक्रमण कर दिया है और 1.2 अरब डॉलर का अमेरिका का आधुनिकतम राडार सिस्टम भी नष्ट कर दिया है।

कि क्या अमेरिका ऐसा ही कदम उठाता, यदि यह जहाज चीन या रूस के जलक्षेत्र के पास होता।

चीन और रूस, दोनों देश ईरानी शासन और उसके अस्तित्व के मजबूत

समर्थक हैं। चीन के ईरान में महत्वपूर्ण हित हैं, क्योंकि चीन ईरानी तेल का बड़ा खरीदार है। ईरान ने होर्मुज़ जलडमरूमध्य को बेराबंदी में लेने की कोशिश की है। यह जलडमरूमध्य तेल

आपूर्ति के लिए जीवन्त है, क्योंकि दुनिया के कुल तेल परिवहन का लगभग 20 प्रतिशत इसी रास्ते से गुजरता है। अब तक होर्मुज़ जलडमरूमध्य (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तेहरान के ट्रैफिक कैमरों को नियंत्रित कर रहा था इजरायल

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मार्च। तेहरान में लगे लगभग सभी ट्रैफिक कैमरे कई वर्षों से हक किए गए थे। और जब वरिष्ठ ईरानी अधिकारी तेहरान की पाश्चर स्ट्रीट के पास अपने दफ्तरों में पहुँचे थे, तो इजरायली उन्हें देख रहे होते थे। यह

- ब्रिटेन के एक अखबार, फायनैशियल टाइम्स ने इसके साथ यह भी खुलासा किया कि इसी वजह से खामनेई मारे गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि इजरायल कई वर्षों से इसी काम में लगा हुआ था।

शनिवार को इसी क्षेत्र पर हुए हमले में खामनेई मारे गए थे। यह खुलासा ब्रिटिश अखबार "फाइनेशियल" की एक रिपोर्ट में किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, एक कैमरे का कोण विशेष रूप से उपयोगी साबित हुआ, जिसने कड़ी सुरक्षा वाले परिसर (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पूर्व विदेश मंत्री दिनेश सिंह की कुर्बानी, प्रमाण है, ईरान के विशेष महत्व का

1994 में पाकिस्तान ने सभी इस्लामिक देशों को लामबंद कर लिया था, कश्मीर में मानवाधिकार हनन के आरोप लगाकर यूएन में भारत के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित करने के लिए

-नेपु मिश्रल-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मार्च। भारत के कुछ वर्षों में यह धारणा जोर पकड़ रही है कि ईरान कभी भारत का सच्चा मित्र नहीं रहा और उसने कभी भारत के साथ खड़े होकर समर्थन नहीं दिया, तो फिर भारत को ईरान के समर्थन में खुलकर आगे आने की क्या आवश्यकता है।

यह बात इस संदर्भ में कही जा रही है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामनेई के निधन पर कोई बयान नहीं दिया, और इसे मोदी सरकार द्वारा सामान्य माना जा रहा है।

लेकिन यह असली कहानी नहीं है। असल में अप्रैल 1994 में पाकिस्तान ने ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक को-ऑपरेशन (ओआईसी) के सदस्य देशों को अपने एक प्रस्ताव के समर्थन में एकजुट कर लिया था, जिन्हें वह संयुक्त राष्ट्र में भारत के

- तत्कालीन विदेश मंत्री दिनेश सिंह को, जो गंभीर रूप से बीमार थे, रोग शैथ्या से उठाकर व्हील चेयर पर बिठाकर, हवाई जहाज से सीधे ईरान भेजा गया, ईरान को इस्लामिक संगठन के इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने से रोकने के लिए।

- दिनेश सिंह ने तत्कालीन प्र.मंत्री नरसिम्हाराव का विशेष पत्र, ईरान के शीर्षस्थ नेता को व्यक्तिगत रूप से पेश किया।

- ईरान ने प्र.मंत्री राव की "रिक्वैस्ट" की गंभीरता को समझते हुए, इस्लामिक देशों के संगठन के आरोप पत्र पर हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया और इस्लामिक देशों के संविधान के अनुसार, जब तक सभी सदस्य किसी भी ऐसे प्रस्ताव को सर्व सम्मति से पारित नहीं करते, वह प्रस्ताव क्रियान्वित के लिए यूएन को नहीं दिया जा सकता था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत और चीन ने खामनेई की मौत की निंदा क्यों नहीं की?

दोनों देशों ने इस मामले पर बहुत संयमित और नपी तुली प्रतिक्रिया दी है

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मार्च। सप्ताहगत में अमेरिका-इजरायल के हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई की मौत के बाद भारत में तीखी राजनीतिक बहस छिड़ गई है। विपक्ष ने इस पर सरकार से औपचारिक बयान जारी करने की मांग की है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने अब तक संयमित चुप्पी बनाए रखी है और किसी बयान के बजाय, क्षेत्रीय तनाव बढ़ने के बीच संयम बरतने और "डी-एस्केलेशन" की अपील की है। सूत्रों के अनुसार, यह रुख अधिकांश प्रमुख वैश्विक शक्तियों की प्रतिक्रिया के अनुरूप है।

चीन के ईरान के साथ गहरे ऊर्जा संबंध अचानक कड़ी निगरानी में आ गए हैं, क्योंकि अमेरिकी और इजरायली हमलों ने तेहरान को खुली टकराव की स्थिति में ला खड़ा किया है और उन तेल

- भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयम बरतने और बातचीत कर समाधान करने की बात कही और चीन ने भी युद्ध की निंदा की तथा युद्ध विराम लागू करने की मांग की।
- चीन के ईरान के साथ गहरे ऊर्जा संबंध हैं और इस टकराव से तेल आपूर्ति के रास्ते बाधित हो गए हैं, जिन पर चीन की अर्थव्यवस्था निर्भर है।
- लेकिन अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रियाओं की बात करें तो जी-7 के किसी भी देश ने खामनेई की मौत पर शोक नहीं जताया तथा कई अन्य देशों की तरफ से खामनेई को "ईविल" व्यक्ति बताया जा रहा है।

आपूर्ति मार्गों को खतरे में डाल दिया है, जिन पर चीनी अर्थव्यवस्था निर्भर है।

बीजिंग ने हमलों की निंदा और युद्धविराम की अपील की है, लेकिन उसने ऐसी कोई आर्थिक जवाबी कार्रवाई नहीं की है, जो उसकी ऊर्जा आपूर्ति को जोखिम में डाल दे, जिस पर

वह निर्भर है।

बीजिंग के लिए सबसे खतरनाक कारक होर्मुज़ जलडमरूमध्य है। चीन के लगभग 44 प्रतिशत तेल आयात विस्तृत पश्चिम एशिया क्षेत्र से आते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दुबई एयरपोर्ट पर उड़ानों की संख्या 1200 से

20 हुई

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मार्च। पश्चिम एशिया के रास्ते हवाई यात्रा इस समय अभूतपूर्व अव्यवस्था का सामना कर रही है। हवाई क्षेत्र व्यापक रूप से बंद हो जाने के कारण उड़ानों का निरस्तीकरण, मार्ग परिवर्तन

- फ्लाइंग ट्रेडर 24 द्वारा ये आंकड़े जारी किए गए और कहा गया, यह भारी गिरावट ईरान अटैक के कारण आई है।

और यात्रियों में भारी अनिश्चितता की स्थिति पैदा हो गई है। सबसे अधिक प्रभावित होने वाले हवाई अड्डों में दुनिया के सबसे व्यस्त विमानन केंद्रों में दुबई इन्टरनेशनल एयरपोर्ट भी शामिल है, जो लगभग ठप हो गया है।

क्षेत्रीय तनाव बढ़ने के साथ ही, कई देशों ने अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हालांकि, युद्ध बढ़ने की संभावना से इंकार नहीं है, पर, अभी भी कई बड़े देश इसमें सीधे शामिल नहीं हुए हैं, इसलिए अभी कुछ गुंजाइश बाकी है

-सुकुमार साह-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मार्च। लोगों के मन में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या पश्चिम एशिया का युद्ध दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध की ओर ले जा रहा है। इसका सीधा जवाब यह है कि हालांकि तनाव बढ़ने का खतरा निश्चित रूप से बढ़ गया है, लेकिन मौजूदा संघर्ष अभी उन परिस्थितियों तक नहीं पहुँचा है, जो आमतौर पर किसी वैश्विक युद्ध को परिभाषित करती हैं।

इस समय टकराव का केन्द्र अमेरिका, इजरायल और ईरान है। यह संघर्ष तीव्र है, इसमें उन्नत हथियारों का इस्तेमाल हो रहा है, और इसने ग्लोबल एनर्जी मार्केट और हवाई सेवाओं को प्रभावित कर दिया है। लेकिन विश्व युद्ध के लिए कुछ और भी जरूरी होता है:

- अगर, चीन और रूस इसमें ईरान की तरफ से मैदान में उतरते हैं और नाटो देशों को भी युद्ध में घसीट लिया जाता है, तो हालात नाटकीय रूप से बदल जाएंगे, पर, अभी तक बीजिंग और मॉस्को ने कूटनीतिक रुख ही प्रकट किया है।

- अस्सी के दशक के ईरान-इराक युद्ध, सन् 1991 में अमेरिका की इराक में घुसपैठ महाशक्तियों के टकराव का रूप नहीं ले सकी, यहाँ तक सीरियाई गृह युद्ध भी विश्व युद्ध का रूप ले सकता था, पर ऐसा नहीं हुआ।

- आज की अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था अच्छी तरह से जानती है कि परमाणु ताकतों की भिड़त का कितना भारी दुष्परिणाम हो सकता है।

- इसके अलावा आर्थिक रूप से परस्पर सहनिर्भरता भी एक बड़ा कारण है, जो तीसरे विश्व युद्ध की संभावना को हतोत्साहित करती है। महाशक्तियाँ जानती हैं कि लम्बे युद्ध से तेल का प्रवाह रुकेगा, ट्रेड रूट नष्ट होंगे और फायनैशियल मार्केट तबाह हो जाएगी।

कई बड़ी शक्तियों का अलग-अलग

क्षेत्रों में एक-दूसरे से सीधा मिलिटरी संघर्ष। यह लिमिटेड अभी पार नहीं हुई है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि

क्या अन्य बड़ी शक्तियाँ सैन्य रूप से

इस संघर्ष में प्रवेश करेंगी। यदि चीन या रूस जैसे देश ईरान के समर्थन में सीधे (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वरिष्ठ पत्रकार, सांसद और डिप्लोमैट एच.के. दुआ नहीं रहे

लम्बे समय से बीमार दुआ का एक निजी अस्पताल में निधन हो गया

-डॉ. सतीश मिश्रा-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मार्च। वरिष्ठ पत्रकार हरि कृष्ण दुआ के बुधवार दोपहर 88 वर्ष की आयु में निधन के बाद, श्रद्धांजलियों का सिलसिला शुरू हो गया। पूर्व राजनयिक दुआ को पनडुईए और यूपीए, दोनों सरकारों के दौरान सेवाएँ देने की विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त थी। उन्होंने चार राष्ट्रीय दैनिकों का संपादन किया।

पद्म भूषण से सम्मानित दुआ ने "हिन्दुस्तान टाइम्स", "द टाइम्स ऑफ इंडिया", "द इंडियन एक्सप्रेस" तथा "द ट्रिब्यून" में संपादकीय नेतृत्व संभाला। राज्यसभा के मनोनीत सदस्य के रूप में वे कांग्रेस-नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद का भी हिस्सा रहे।

उनके परिवार के एक सदस्य ने बताया कि उन्होंने आज दोपहर एक निजी अस्पताल में शांतिपूर्वक अंतिम सांस ली। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे और तीन सप्ताह पहले अस्पताल में भर्ती कराए गए थे।

वे अपनी पत्नी अर्पिता और पुत्र प्रशांत को पीछे छोड़ गए हैं। उनका अंतिम संस्कार गुरुवार को लोधी रोड श्मशान घाट पर किया जाएगा।

1 जुलाई 1937 को जन्मे दुआ दो प्रधानमंत्रियों, अटल बिहारी वाजपेयी और एच डी देवेगौडा के मीडिया सलाहकार भी रहे।

उन्होंने 2001 से 2003 के बीच डेनमार्क में भारत के राजदूत के रूप में भी सेवा दी।

भारतीय पत्रकारिता की एक

- वे उन चंद लोगों में से हैं, जिन्होंने यूपीए और एनडीए दोनों सरकारों के साथ काम किया है। दुआ एनडीए के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और यूपीए के प्रधानमंत्री देवेगौडा के मीडिया सलाहकार थे, यही नहीं, 2001-2003 तक वे डेनमार्क में भारत के राजदूत भी थे।

- पत्रकारिता में दुआ बेहद प्रतिष्ठित हस्ती थे। 2003 से 2009 तक ट्रिब्यून के एडिटर इन चीफ के रूप में काम कर उन्होंने अखबार को नई ऊंचाइयाँ दीं, वे हिंदुस्तान टाइम्स, इंडियन एक्सप्रेस, टाइम्स ऑफ इंडिया को भी अपनी सेवाएँ दे चुके हैं।

- दुआ के निधन पर विभिन्न राजनैतिक दलों के नेताओं ने शोक जताया और संवेदनाएं प्रकट कीं। दुआ अपने पीछे पत्नी व पुत्र छोड़ गए हैं।

दिग्गज शक्तिशाली के रूप में दुआ अपनी संपादकीय स्वतंत्रता और तीक्ष्ण

राजनैतिक अन्तर्दृष्टि के लिए व्यापक रूप से प्रतिष्ठित थे।

वे 2003 से 2009 तक "द ट्रिब्यून" के प्रधान संपादक रहे और इस दौरान उन्होंने अखबार को राष्ट्रीय पहचान और संपादकीय विश्वसनीयता को मजबूत किया।

अपने लंबे और विशिष्ट करियर में उन्होंने "द इंडियन एक्सप्रेस", "द टाइम्स ऑफ इंडिया" और "द हिंदुस्तान टाइम्स" में भी वरिष्ठ संपादकीय भूमिकाएँ निभाईं।

2009 में उन्हें राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया, जहाँ उन्होंने मीडिया की स्वतंत्रता और सार्वजनिक नीति से जुड़ी बहसों में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

राजनैतिक दलों के नेताओं और मीडिया जगत के सदस्यों ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए, उन्हें सिद्धांतवादी संपादक और लोकतांत्रिक

मूल्यों के दृढ़ रक्षक के रूप में याद किया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया पर लिखा, "एच. के. दुआ के निधन पर मेरी गहरी संवेदनाएँ। वे एक विशिष्ट पत्रकार, राजनयिक और पद्म भूषण सम्मानित व्यक्ति थे, जिनकी सत्य, संपादकीय स्वतंत्रता और सार्वजनिक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता ने सार्वजनिक विमर्श को समृद्ध किया।"

शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने कहा कि दुआ ने अहिंसक ईमानदारी, सूतीक्ष्ण दृष्टि और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता के साथ संपादकीय स्वतंत्रता को कायम रखा।

बादल ने कहा, "एक पत्रकार और (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एमवीए ने शरद पवार को प्रत्याशी बनाया

मुंबई, 04 मार्च। महाविकास अघाड़ी (एमवीए) की ओर से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार को संयुक्त उम्मीदवार घोषित किया गया है। पवार गुरुवार को

- राज्यसभा चुनावों में महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन को जो एक सीट मिल रही है, उसके लिए शरद पवार चुनाव लड़ेंगे।

राज्यसभा के उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन भरेंगे।

राकांपा एसपी की सांसद सुप्रिया सुले ने बुधवार को संयुक्त पत्रकार वार्ता में बताया कि उन्होंने शरद पवार को फिर से राज्यसभा में भेजने के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल से चर्चा की थी। इन सभी नेताओं ने शरद पवार को महाविकास अघाड़ी का (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

खुद के लिये जीने वाले की ओर कोई ध्यान नहीं देता पर जब आप दूसरों के लिये जीना सीख लेते हैं तो वे आपके लिये जीते हैं।

—श्री परमहंस योगानंद

झूठ के पाँव नहीं होते

तथाकथित शराब कांड के प्रकरण में सी बी आई कोर्ट के न्यायाधीश जितेंद्र सिंह द्वारा दिनांक 27 फरवरी, 2026 को दिए गए निर्णय से यह कहावत एक बार पुनः सही सिद्ध हुई है कि 'झूठ के पाँव नहीं होते'। न्यायालय ने अपने 598 पृष्ठों के विस्तृत फैसले में आम आदमी पार्टी के मुखिया और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, सांसद संजय सिंह सहित इस प्रकरण के सभी 23 अभियुक्तों के विरुद्ध मुकदमा चलने लायक ही नहीं माना। यदि मुकदमा चलता तो शायद 5-10 सालों तक ट्रायल ही होती, और तब तक भाजपा इन सबको प्रेक्षावादी बताती रहती। मुकदमा चलने लायक ही नहीं मानकर सबको दोष मुक्त घोषित कर दिया गया है। इस निर्णय को सी बी आई और अभियोजन पक्ष पर प्रत्यक्ष रूप से तथा सरकार के मुंह पर, परीक्षा रूप से कड़ा तमाचा ही कहा जाएगा।

वर्तमान केंद्र सरकार सी बी आई, ई डी, आयकर विभाग आदि केंद्रीय एजेंसियों का, विपक्षी नेताओं के विरुद्ध किस प्रकार दुरुपयोग कर रही है यह सर्व विदित है। कहा जाता है कि कोई झूठ 100 बार बोला जाय तो उसे लोग सच मानने लगते हैं। भाजपा और केंद्र सरकार ने गत पांच सालों में यही किया और केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और अन्य आप नेताओं को शराब कांड में करोड़ों रुपए का प्रेक्षावादी बताते हुए दिल्ली का चुनाव तक जीत लिया। आम आदमी पार्टी के सभी नेताओं ने कुल मिलाकर 82 भाग जेल में बिताए। मीडिया तो वैसे ही सत्ताधारी दल और केंद्र सरकार के नियंत्रण में था ही। लगभग प्रतिदिन केजरीवाल और अन्य के प्रेक्षावादी पर चर्चा होती रही। दिल्ली की जनता ने केंद्र सरकार के इस दुरुपयोग के आधार पर केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को भ्रष्ट मानते हुए 'आप' को चुनाव में हराकर सत्ता से बाहर कर दिया। ऐसा करते समय उसने दिल्ली की केजरीवाल सरकार द्वारा स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में किए गए अच्छे कामों को भी याद नहीं रखा।

पाठकों को यह जानना चाहिए कि बरी होने में और आरोप मुक्त होने में बहुत अंतर है। पूरी ट्रायल के बाद कोई व्यक्ति, आरोप सिद्ध नहीं होने पर न्यायालय द्वारा बरी किया जाता है, जबकि आरोप मुक्त होने का अर्थ यह है कि अभियुक्तों के विरुद्ध चार्ज शीट ही खींचाकर होने लायक ही नहीं है।

इस प्रकरण से यह बात भी प्रमाणित होती है कि विभिन्न जांच एजेंसियों के अफसरों ने कैसे रीढ़ बिहीन होकर साक्षात् दंडवत करते हुए, सत्ताधारी दल के इशारे पर, केजरीवाल और अन्य लोगों को पूरी तरह झूठे मामले में फंसाया। न्यायालय ने अपने निर्णय में न केवल सी बी आई की धिक्क्यां उड़ाई बल्कि यहाँ तक कहा कि उसने पहले केजरीवाल, सिसोदिया को फंसाने का निर्णय लिया और उसी अनुसार झूठे दस्तावेज और गवाह तैयार किए। न्यायालय ने इस प्रकरण के जांच करने वाले सी बी आई अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही करने का भी आदेश दिया।

पाठकों के लिए इस प्रकरण को कुछ विस्तार से समझना आवश्यक है ताकि वे जान सकें कि कैसे सत्ताधारी दल अपने राजनीतिक विरोधियों को ठिकाने लगाने का काम करता है।

दिल्ली में शराब नीति लागू करने और उसे कुछ समय बाद वापस लेने का मामला 2022 में काफी विवाद में आया था। यह कहा गया था कि इस प्रकरण में दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल मनीष सिसोदिया ने अन्य लोगों के साथ मिलकर करोड़ों रुपए का धोखा किया। यह खबर कई दिनों तक मीडिया में पूरी तरह छाई रही। अब न्यायालय ने सारे दस्तावेजों और गवाहों के बयानों को देखने के बाद यह निष्कर्ष निकाला कि बिना किसी कानूनी आधार के, अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को शराब कांड का प्रमुख षडयंत्रकारी और सूत्रधार मान लिया गया जबकि उनकी कोई भूमिका इस प्रकरण में थी ही नहीं। न्यायालय इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि केजरीवाल को केवल एक पक्षद्वेषी व्यक्ति के बयान के आधार पर आरोपी बनाया गया जबकि ऐसा कोई साक्ष्य नहीं था, जिससे यह निष्कर्ष निकाला जा सके कि केजरीवाल का किसी प्रकार से इस पूरे प्रकरण में कोई हाथ था। जिस गवाह के बयान को सीबीआई ने प्रमुख आधार बताया, उसे ही न्यायालय ने अविश्वसनीय मान लिया और कहा कि उसके बयान के आधार पर किसी व्यक्ति को दोषी नहीं माना जा सकता। न्यायालय ने रेड्डी के पुत्र माधुटा के बयान को इस आधार पर खारिज कर दिया कि किसी भी अन्य स्वतंत्र साक्ष्य से उसके बयान की पुष्टि नहीं होती है। उसने केवल सुनी - सुनाई बातों पर अपना बयान दिया जिसे रिकॉर्ड पर नहीं लिया जा सकता। न्यायालय ने यह भी कहा कि जिन 10-12 व्यक्तियों की उपस्थिति में केजरीवाल की रेड्डी के साथ मीटिंग की बात कही गई, उनमें से किसी का भी बयान नहीं कराया गया। इस से अभियोजन पक्ष की कमजोरी स्पष्ट होती है, ऐसा न्यायालय ने माना।

सीबीआई ने एक पक्ष-द्रोही गवाह दिनेश अरोड़ा को प्रस्तुत किया जिसने धनराशि को प्राप्त करने के बारे में कहा था। न्यायालय ने स्पष्ट रूप से कहा कि दिनेश अरोड़ा ने कभी भी केजरीवाल का नाम इस संबंध में नहीं लिया था। यह कहना कि दिनेश अरोड़ा की जानकारी में केजरीवाल की षडयंत्र में कोई भूमिका थी, सही नहीं है। इसी प्रकार न्यायालय ने सीबीआई के इस आरोप कि 'आप' और मनीष सिसोदिया इस तथाकथित कांड के प्रमुख सूत्रधार थे, को खारिज कर दिया। न्यायालय ने यह निष्कर्ष निकाला कि दिल्ली की शराब नीति, सभी संबंधित पक्षों के साथ विस्तृत विचार विमर्श के बाद बनाई गई और इसमें कोई एक तरफा निर्णय तत्कालीन रूचि मंत्री मनीष सिसोदिया के द्वारा नहीं लिया गया था। न्यायालय ने कहा कि नीति बनाने के लिए पूरी प्रशासनिक व्यवस्था है और विभाग में प्रत्येक स्तर पर मंत्री और

अधिकारियों के परस्पर विचार विमर्श के बाद इस नीति को बनाया गया था।

सीबीआई कोर्ट के जज जितेंद्र सिंह के इस फैसले से यह भी सिद्ध होता है कि किसी को भी झूठे आरोपों में फंसाने के लिए कितना ही प्रयास किया जाए और कितने ही दस्तावेज तैयार किया जाए, यदि जज साहसी हो और न्याय प्रक्रिया में पारंगत हो, तो प्रकरण अधिक समय तक नहीं टिक सकता। सीबीआई ने लगभग 4 वर्ष तक अनुसंधान किया और लगभग 60000 पेज की चार्ज शीट तैयार की। इन सब का गहन अध्ययन और विश्लेषण करने के बाद जिस प्रकार का निर्णय न्यायाधीश ने दिया है, वह एक मिसाल कायम करता है। यह निर्णय तपती दोपहर में टंडी फुहार की तरह आशा का संचार करता है। सत्ता पूरी ताकत के साथ यदि किसी को परेशान करना चाहे तो न्यायपालिका अब भी उसके लिए सुरक्षा कवच का काम कर सकती है। यह खसखस तब ही है जब न्यायाधीश, बिना किसी संभावना और प्रलोभन के अपना काम करें। यह उल्लेखनीय है कि जितना समय अनुसंधान में जांच एजेंसियां जानबूझकर लगा देती हैं, उससे अभियुक्त, विशेष कर राजनीतिक रूप से प्रताड़ित अभियुक्त, को कई बार इतनी बड़ी क्षति हो चुकी होती है कि उसकी क्षतिपूर्ति आसानी से नहीं हो पाती है।

केजरीवाल का यह कहना बड़बोलापन हो सकता है कि यदि आज दिल्ली विधानसभा सभा का चुनाव कराया जाय तो भाजपा को 10 सीटें भी नहीं मिलेंगी, किंतु यह भी सत्य है कि दिल्ली विधानसभा के गत चुनाव में केजरीवाल और मनीष सिसोदिया सहित आम नेताओं को केवल जांच एजेंसियों द्वारा किए गए अनुसंधान के आधार पर जनता के समक्ष प्रस्तावित भ्रष्ट घोषित करने का बहुत प्रभाव हुआ है। जनमानस भी एक बार यह सोचने को विवश हुआ कि यह कहीं ये दोनों नेता और 'आप' पार्टी भ्रष्ट तो नहीं हैं? मजे की बात यह भी है कि सत्ताधारी दल भाजपा द्वारा कभी 10 करोड़ के धोखे की बात की गई तो कभी 100 करोड़ के धोखे की। अब भाजपा द्वारा कहा जा रहा है कि आप नेताओं ने भ्रष्टाचार को सिद्ध करने वाले विभिन्न रिकॉर्डों को नष्ट कर दिया था। इसका जवाब कोई नहीं दे रहा कि जब दस्तावेज नष्ट हो ही गए थे तो फिर सीबीआई ने किस आधार पर केजरीवाल और मनीष सिसोदिया सहित 23 व्यक्तियों के विरुद्ध चार्जशीट दायर की।

यह एक विडंबना ही है कांग्रेस ने इस निर्णय को भाजपा की इच्छा के अनुरूप लिया गया निर्णय बताया है और कहा कि कैसे भाजपा को लाभ पहुंचाने की दृष्टि से ऐसा किया गया। ऐसा करके वह विपक्षी दलों की चुनावी संभावनाओं को लाभ ही पहुंचा रही है। भाजपा को सबसे बड़ा लाभ यही है कि विपक्ष बिखरा हुआ है और एक दूसरे से ही लड़ने में लगा हुआ है। भाजपा द्वारा एजेंसियों के दुरुपयोग के माध्यम से नेताओं को प्रताड़ित करने का प्रकोप सभी विपक्ष दलों द्वारा भोगा जा रहा है। इस परिप्रेक्ष्य में सभी विपक्ष दलों को इस निर्णय का एकजुट होकर स्वागत करना चाहिए था और सरकार पर यह दबाव बनाया चाहिए था कि वह केवल विपक्षियों को फंसाने के लिए एजेंसियों का दुरुपयोग न करे।

सीबीआई ने कहा है कि वह इस निर्णय के विरुद्ध हाईकोर्ट में अपील करेगी, जिसका उसे पूरा अधिकार है। जिस प्रकार के इतर शब्दों का प्रयोग करते हुए सीबीआई जज ने आरोपों को तय करने से ही मना कर दिया, उससे ऐसा लगता है कि हाईकोर्ट में कोई राहत सीबीआई को संभवतया नहीं मिले। सीबीआई प्रकरण में आरोप मुक्त होने से केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के विरुद्ध ई डी द्वारा दायर प्रकरण भी कमजोर हुआ है।

आशा की जानी चाहिए कि सीबीआई जज जितेंद्र सिंह के इस साहसिक निर्णय के बाद जहाँ एक ओर सत्ताधारी दल केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करने से बचेगा वहीं दूसरी ओर एजेंसियों के अधिकारी भी संविधान के प्रति प्रतिबद्धता दर्शाते हुए एवं अपनी रीढ़ को सीधे रखते हुए केवल सत्ताधारी दल की इच्छा अनुसार काम करने की प्रवृत्ति से बचेंगे। यदि ऐसा हो पाया तो यह एक स्वस्थ लोकतंत्र की दिशा में एक मजबूत कदम होगा।

फिलहाल तो हम यही कह सकते हैं कि झूठ को कितना भी मजबूती से प्रस्तुत किया जाए, वह अधिक समय तक टिक नहीं सकता, क्योंकि झूठ के पाँव नहीं होते। हमें तो बस सीबीआई जज जितेंद्र सिंह को इस निर्णय के लिए सलाम करने का मन करता है।

—अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भागवत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)



प्रो. कैलाश सोडानी

भारतीय न्यायपालिका एक एकीकृत एवं पदानुक्रमित प्रणाली है। जिसमें सर्वोच्च न्यायालय (दिल्ली) शीर्ष पर है फिर उच्च न्यायालय (25) और सबसे नीचे जिला एवं अधीनस्थ न्यायालय होते हैं, जो विधिक एवं कार्यपालिका से स्वतंत्र है। भारतीय न्यायपालिका ने न्यायपालिका को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया है। सरकारी नियंत्रण से मुक्त रखा गया है। जिससे न्यायपालिका बिना किसी दबाव के नागरिकों के संविधान प्रदत्त अधिकारों की रक्षा कर सके।

नागरिकों को रोटी-रोजी एवं न्याय

की उपलब्धता के आधार पर समाज को श्रेष्ठता की श्रेणी में देखा जाता है। रोटी-रोजी एवं बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराना विधिक एवं कार्यपालिका की जिम्मेदारी है और समय पर न्याय प्रदान करना न्यायपालिका का काम है।

न्यायपालिका की स्वतंत्रता का अर्थ स्वेच्छाचारिता नहीं है। न्यायपालिका देश की लोकतान्त्रिक, राजनीतिक संरचना का एक हिस्सा है। न्यायपालिका देश के संविधान लोकतान्त्रिक परम्परा और जनता के प्रति जवाबदेह है। भारत के एक प्रभुतासम्पन्न लोकतान्त्रिक गणराज्य बनने के दो दिन बाद 28 जनवरी, 1950 को उच्चतम न्यायालय का शुभारम्भ हुआ। वैसे भारत का कानूनी और न्यायिक इतिहास 5000 वर्ष पुराना है। कानून एक गतिशील अवधारणा है जो समय-समय पर मानव के ज्ञान एवं विज्ञान की प्रगति के साथ-साथ समाज की आवश्यकताओं के अनुसार निरन्तर बदलती और विकसित होती रहती है। वर्तमान अदालतों और कानूनों ने बरसों के प्रयोग और नियोजन के बाद वर्तमान स्वरूप प्राप्त किया है।

वैसे तो भारत का सर्वोच्च न्यायालय विश्व के शक्तिशाली न्यायालयों में से एक है परन्तु धरातल पर यह भी सही है कि भारतीय अदालतें गरीब को न्याय देने में असफल रही हैं। ऐसा लगता है भारत की न्यायिक व्यवस्था आम आदमी के लिये नहीं है। भारतीय न्यायपालिका में लंबित मुकदमों की संख्या करोड़ों में है। जिसमें 5 करोड़ से ज्यादा मामले निचली अदालतों, लगभग 63 लाख मामले उच्च न्यायालयों में और लगभग 90,000 मुकदमे सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन हैं। न्याय में देरी अन्याय के समान है। लंबित मुकदमों की संख्या के आधार पर आज देश में करोड़ों आम नागरिक न्याय के लिए तरस रहे हैं। तारीख पर तारीख की व्यवस्था से आम आदमी दुखी हो चुका है। सरकारी कार्यालयों की भांति न्यायालयों में भी भ्रष्टाचार का बज्रूद बढ़ ता जा रहा है। चर्चा में यह भी है कि जजों एवं वकीलों के मज्जे नापाक गठजोड़ बन रहे हैं। जाने-माने कानूनी विशेषज्ञ और पूर्व विधि एवं न्याय मंत्री, भारत सरकार शक्तिभूषण ने खुलासा किया कि उच्चतम न्यायालय के 16 पूर्व मुख्य

न्यायाधीशों में से कम से कम 8 निश्चित रूप से भ्रष्ट हैं। हलफनामे में 16 पूर्व सी.जे.आई. के नामों का भी उल्लेख किया है। न्याय में देरी का एक कारण न्यायाधीशों की अनुपस्थिति भी है। भारतीय विधि आयोग के अनुसार प्रत्येक दस लाख नागरिकों पर कम से कम 50 न्यायाधीश होने चाहिये, जबकि उपलब्धता मात्र 21 ही है। न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर भी विवाद की स्थिति है। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश वर्तमान कॉलेजियम व्यवस्था को जारी रखना चाहते हैं, जबकि सरकार नियुक्ति का अधिकार अपने नियंत्रण में लेना चाहती है। वर्तमान कॉलेजियम प्रणाली को न्यायसंगत नहीं ठहरा सकते हैं। नियुक्ति में भाई-भतीजावाद इसी प्रणाली की देन है। नियुक्ति में विधायिका के दखल दे दलगत राजनीति के आने की संभावना रहेगी। न्यायाधीशों की नियुक्ति में तत्काल सुधार अपेक्षित है जो पूर्ण विश्वसनीय एवं पारदर्शी हो।

न्यायालयों की स्वतंत्रता के लिए न्यायाधीशों को पदमुक्त करने की प्रक्रिया भी अत्यन्त कठिन है। स्वयं संसद भी न्यायाधीशों के आचरण पर

चर्चा नहीं कर सकती है। हमारे देश में किसी भी न्यायाधीश के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की गुंजाइश नहीं के बराबर है।

पिछले कुछ समय से भारतीय न्यायपालिका, कार्यपालिका की निष्पक्षता के फलस्वरूप उत्पन्न रिक्तता को भरने का प्रयास कर रही है। जनहित याचिका ने न्यायपालिका के कार्यक्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन करके पहले से अधिक जवाबदेह एवं लोकप्रिय बना दिया है। परन्तु दूसरी ओर न्यायपालिका अपना स्वयं का प्राथमिक काम सरल एवं त्वरित न्याय देने में असमर्थ हो रही है। कुछ कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि न्यायिक सक्रियता से सरकार के तीनों अंगों के मध्य पारस्परिक सन्तुलन बिगड़ सकता है।

निःसंदेह देश में कार्यपालिका एवं विधायिका की तुलना में न्यायपालिका की प्रतिष्ठा अधिक है। लोगों में आस्था एवं विश्वास है। न्याय भी मिल रहा है परन्तु थोड़ी देर से। इस दर को ठीक करने की जरूरत है।

—प्रो. कैलाश सोडानी,
पूर्व कुलपति, वर्धमान महावीर
खुला विश्वविद्यालय, कोटा

क्या भारतीय उच्च शिक्षा मैकाले युग में वापस जा रही है?



अशोक कुमार

लॉर्ड मैकाले का प्रसिद्ध कथन था कि वह एक ऐसी श्रेणी बनाया चाहता है जो "रक्त और रंग में भारतीय हो, लेकिन रुचि, राय, नैतिकता और बुद्धि में अंग्रेज हो।" मैकाले युग की शिक्षा को तीन मुख्य विशेषताएँ थीं: अंग्रेजी की सर्वोच्चता, भारतीय ज्ञान परंपरा की उपेक्षा और केवल प्रशासनिक कार्यों के लिए मानव संसाधन तैयार करना। आज जब हम उच्च शिक्षा की स्थिति देखते हैं, तो पाते हैं कि नीतियाँ बदलने के बावजूद धरातल पर कई चुनौतियाँ वैसे ही बनी हुई हैं।

1. नई शिक्षा नीति: डी-मैकालेवादीकरण का प्रयास
सरकार का दावा है कि, नई शिक्षा नीति 2020 मैकाले के प्रभाव को जड़ से खत्म करने का एक प्रयत्न है। इसके पक्ष में निर्मालिखित तर्क दिए जा सकते हैं:— भारतीय ज्ञान प्रणाली का एकिकरण: उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रम में अब प्राचीन भारतीय विज्ञान, गणित और दर्शन को शामिल

किया जा रहा है। यह उस हीन भावना को खत्म करने की कोशिश है जो मैकाले ने पैदा की थी।

बहुविषयक दृष्टिकोण : मैकाले की शिक्षा ने विषयों को खानों में बांट दिया था। नई नीति छात्रों को भौतिकी के साथ संगीत या अर्थशास्त्र के साथ इतिहास पढ़ने को आजादी देती है, जो समग्र बौद्धिक विकास के लिए आवश्यक है।

मातृभाषा और क्षेत्रीय भाषाएँ: तकनीकी और चिकित्सा शिक्षा को हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध कराना अंग्रेजी के उस गढ़ को तोड़ने जैसा है जिसे मैकाले ने अभेद्य बनाया था।

2. बाजारिकरण: क्या कॉर्पोरेट क्लर्क तैयार हो रहे हैं?

मैकालेवाद की वापसी का सबसे बड़ा तर्क शिक्षा के व्यवसायीकरण से आता है। कौशल बनाम ज्ञान: आज उच्च शिक्षा का एकमात्र उद्देश्य प्लेसमेंट बन गया है। विश्वविद्यालय अब ज्ञान के केंद्र होने के बजाय जाँब ट्रेनिंग सेंटर में तब्दील हो रहे हैं। यदि मैकाले ने सरकारी क्लर्क बनाए थे, तो वर्तमान व्यवस्था कॉर्पोरेट क्लर्क तैयार कर रही है। छात्र दर्शन, साहित्य और मौलिक चिंतन के बजाय केवल वही कोडिंग या मैनेजमेंट रिकल सीख रहे हैं जो बाजार में बिक सके।

मानविकीकी उपेक्षा: जिस तरह मैकाले ने भारतीय संस्कृति और दर्शन को पिछड़ा बताया था, आज का बाजार उन विषयों को अनुपयोगी मानकर हाशिए पर डाल रहा है जिनका सीधा

आर्थिक लाभ नहीं दिखता।

3. रटने की संस्कृति और कोचिंग माफिया

मैकाले युग में स्मृति का परीक्षण होता था, न कि मेधाका। आज की स्थिति इससे बहुत अलग नहीं है:

प्रतियोगी परीक्षाओं का दबाव: परीक्षाओं ने उच्च शिक्षा के प्रवेश द्वार को एक रटेंट मशीन बना दिया है। छात्र गहराई से विषय समझने के बजाय शॉर्टकट ट्रिक्स और हल करने की तकनीक सीख रहे हैं। कोचिंग हब: कोटा जैसे शहर आधुनिक समय के वह कारखाने हैं जहाँ छात्रों की मौलिकता और सृजनशक्ति को बलि चढ़ाकर उन्हें एक जैसे सॉच में ढाला जा रहा है। यह मैकाले की उस फैक्ट्री प्रणाली का आधुनिक रूप है जहाँ सबको एक समान उत्पाद बनाया था।

4. अंग्रेजी का बढ़ता प्रभुत्व और डिजिटल विभाजन

भले ही कागज़ पर क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है, लेकिन वास्तविकता यह है कि बौद्धिक संप्रातवाद आज भी अंग्रेजी से जुड़ा है। ग्लोबल वर्सेज लोकल: शोध पत्र, वैश्विक सम्मेलन और उच्च स्तरीय नौकरियाँ आज भी उसी के पास हैं जिसकी अंग्रेजी पर पकड़ मजबूत है। यह समाज में एक गहरा विभाजन पैदा कर रहा है।

डिजिटल डिवाइड: आधुनिक तकनीक ने एक नया वर्ग तैयार किया है जिसके पास हाई-स्पीड इंटरनेट और गैजेट्स हैं। यह वर्ग वैचारिक रूप से पश्चिम के इतना करीब है कि वह

अपनी ज़मीनी हकीकत से कट चुका है। यह ठीक वैसे ही स्थिति है जैसी मैकाले चाहते थे—एक ऐसा वर्ग जो अपने ही देश में अजनबी हो।

5. शोध और मौलिकता का अभाव

मैकाले की शिक्षा का उद्देश्य भारतीयों को अनुयायी बनाया था, अन्वेषक नहीं।

पश्चिमी सिद्धांतों का अंधानुकरण: आज भी हमारे सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन के सिद्धांत पश्चिमी विश्वविद्यालयों की रिसर्च पर आधारित होते हैं। हम भारतीय समस्याओं का समाधान भी पश्चिमी चश्मे से ढूँढते हैं।

बौद्धिक दासता: उच्च शिक्षा में पेटेंट और मौलिक शोध के मामले में हम अभी भी पीछे हैं। जब तक हमारा शोध मौलिक नहीं होगा, हम मानसिक रूप से मैकाले के युग में ही रहेंगे, जहाँ ज्ञान हमेशा बाहर से आता है।

6. रोजगार क्षमता का संकट

मैकाले की शिक्षा ने बेकारों की फौज खड़ी की थी जो शारीरिक श्रम से नफरत करते थे। आज की उच्च शिक्षा में भी डिग्री और कौशल के बीच गहरी खाई है। लाखों इंजीनियर और स्नातक डिग्री होने के बावजूद बेरोजगार हैं क्योंकि वे उद्योग की जरूरतों के हिसाब से कुशल नहीं हैं। यह शैक्षणिक विफलता छात्रों में कुंठा पैदा करती है, जो उन्हें पुनः उसी क्लर्क वाली सुरक्षित मानसिकता की ओर धकेलती है।

समाधानों की राह: मैकाले से आगे का भारत—यदि हमें वास्तव में मैकाले

युग से बाहर निकलना है, तो हमें केवल पाठ्यक्रम नहीं, बल्कि दृष्टिकोण बदलना होगा:—

अनुसंधान केंद्रित शिक्षा: विश्वविद्यालयों को केवल परीक्षा लेने वाली संस्थाओं के बजाय शोध के केंद्र के रूप में विकसित करना होगा।

श्रम का सम्मान: व्यावसायिक शिक्षा को मुख्यधारा से जोड़ना होगा ताकि हर स्नातक केवल सफेदपोश नौकरी के पीछे न भागे।

नैतिक और चरित्र का निर्माण: जैसा कि स्वामी विवेकानंद ने कहा था—“शिक्षा वह है जो मनुष्य का निर्माण करे।” शिक्षा को केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला बनाना होगा।

निष्कर्ष— निष्कर्षतः, यह कहना कि हम पूरी तरह मैकाले युग में वापस जा रहे हैं, हमारे वर्तमान प्रयासों का अपमान होगा। लेकिन यह कहना भी गलत नहीं होगा कि मैकाले की आत्मा आज भी हमारे परीक्षा पैटर्न, अंग्रेजी के प्रति हमारे मोह और हमारी रटने वाली संस्कृति में जीवित है। हम एक संक्रमण काल में हैं। एक तरफ नई शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से भारतीयता को पुनः स्थापित करने की छटपटाहट है, तो दूसरी तरफ वैश्विक बाजार की अंधी दौड़ हमें वापस उसी लिपिक मानसिकता की ओर खींच रही है। हम मैकाले से तब मुक्त होंगे जब हमारी शिक्षा हमें नौकरी ढूँढने वाला नहीं, बल्कि सृजन करने वाला और स्वतंत्र विचारक बनाएगी।

—अशोक कुमार,
विभागाध्यक्ष राजस्थान
विश्वविद्यालय जयपुर

मंडावा में होली पर निकले पापम्परिक गैर जुलूस ने सामाजिक एकता का संदेश दिया

झुंझुनू/मंडावा, (निर्स)। रंगों के महापर्व होली पर मंडावा में इस वर्ष सामाजिक समरसता, राजनीतिक सौहार्द और सांस्कृतिक गौरव का ऐसा अद्भुत दृश्य देखा, जिसने पूरे क्षेत्र को उत्साह और उल्लास से सरबोबर कर दिया। नगरपालिका मंडावा के पास से निकला पारंपरिक गैर जुलूस जब मुख्य मार्गों से गुजरा तो हर ओर रंगों की बौछार, ढोल-नगाड़ों की गूँज और होली है के जोशीले स्वर वातावरण में गूँज उठे।

गैर जुलूस में उमड़ा जनसैलाब

रंगों में भीगा यह गैर जुलूस केवल एक परंपरागत आयोजन नहीं रहा, बल्कि सामाजिक समरसता और जनएकता का जीवंत दस्तावेज बन गया है

इस बात का साक्ष्य बना कि होली केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि दिलों को जोड़ने का अवसर है। बच्चे, युवा, महिलाएँ और बुजुर्ग—सभी वर्गों की सहभागिता ने इसे जन उत्सव का रूप दे दिया। गुलाल से रंगे चेहरे और उमंग से भरे कदम मंडावा की गलियों को जीवंत चित्र में बदलते नजर आए

इस भव्य आयोजन में झुंझुनू से भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी महेश बसावतिया, झुंझुनू नगर पालिका के पूर्व उपाध्यक्ष पवन पुजारी, प्रमुख व्यवसायी देवेंद्र खत्री, संजय शर्मा एवं विनोद शर्मा सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी ने एक-दूसरे को रंग-

गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएँ दी और सामाजिक एकता का संकल्प संदेश दिया।

गौरतलब है कि मंडावा का गैर जुलूस वर्षों पुरानी परंपरा का प्रतीक है, लेकिन इस बार इसकी भण्यता और जनसहभागिता ने इसे ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान कर दिया। लोकधुनों पर धिक्कते युवाओं की टोली, पारंपरिक वेशभूषा में सजे प्रतिभागी और अनुशासित व्यवस्था—हर पहलू आयोजन की गरिमा को बढ़ाता नजर आया। राजनीतिक और सामाजिक

नेतृत्व की एक साथ मौजूदगी ने यह स्पष्ट किया कि त्योहार समाज को जोड़ने की ताकत रखते हैं।

यहाँ रंगों ने पंचपाव को हर रेखा मिटाकर केवल प्रेम, विश्वास और अपनत्व का संदेश दिया। रंगों में भीगा यह गैर जुलूस केवल एक परंपरागत उत्सव नहीं रहा, बल्कि सामाजिक समरसता और जनएकता का जीवंत दस्तावेज बन गया। मंडावा की धरती पर उमड़ा यह जनसैलाब लंबे समय तक भाईचारे, प्रेम और सौहार्द की प्रेरणा देता रहेगा।

राशिफल गुरुवार 5 मार्च, 2026

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, गुरुवार, विक्रम संवत् 2082, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र
प्रातः 8:18 तक, शूल योग प्रातः 7:46 तक, गर करण सायं 5:04 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।
गृह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कुम्भ, बुध-कुम्भ, गुरु-मिथुन, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह
आज भाईदोज और कलमदान पूजा, चित्रगुप्त पूजा, सन्त तुकाराम जयन्ती है। महापात योग दिन 3:03 से सायं 7:05 तक है।
श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:18 तक, चर 11:12 से 12:38 तक, लाभ-अमृत 12:38 से 3:32 तक, शुभ 4:59 से सूर्यास्त तक।
राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:51, सूर्यास्त 6:26

मेष
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिंता दूर होगी। विवाहित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में मांगलिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
परिजन के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्य में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/परिजन के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

सिंह
आर्थिक कारणों से अटक हुए कार्य बने लगे। संभावित ख़ौब से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। मानसिक तनाव दूर होगा। घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटक हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

धनु
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटक हुए व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बने लगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आशासना प्राप्त होगी। अटक हुए कार्य बने लगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नेत्रों का काँच बिगड़ सकते हैं। स्वप्नाव की तबे पर नियंत्रण रखें।

मीन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। उत्सव जैसा



टेली मानस

भारत का राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की पहल

“ मानसिक स्वास्थ्य हमारे समग्र कल्याण का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है। आइए हम सब मिलकर ऐसा वातावरण बनाएँ, जहाँ मानसिक स्वास्थ्य पर बातचीत आम और सहज हो सके। ”

श्री नरेंद्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

क्या आप किसी मानसिक स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे हैं?

कभी भी, कहीं से भी टेली मानस के माध्यम से सहायता पाएं।
24/7, 20+ भाषाओं में, पूरे भारत में उपलब्ध।

इन चिंताओं के लिए हमें कॉल करें:

- ▶ उदासी, चिंता या तनाव
- ▶ नींद की समस्या
- ▶ परीक्षा का तनाव
- ▶ परिवार से जुड़ी समस्याएँ
- ▶ आत्महत्या से जुड़े विचार
- ▶ नशे से संबंधित समस्याएँ
- ▶ रिश्तों में परेशानी
- ▶ याददाश्त से जुड़े मुद्दे
- ▶ पैसों की चिंता या अन्य मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ

“ पिछले 3 वर्षों में हमने 30 लाख से अधिक कॉल्स में सहायता की है। ”

टेली मानस को कॉल करें

14416

टोल-फ्री नंबर

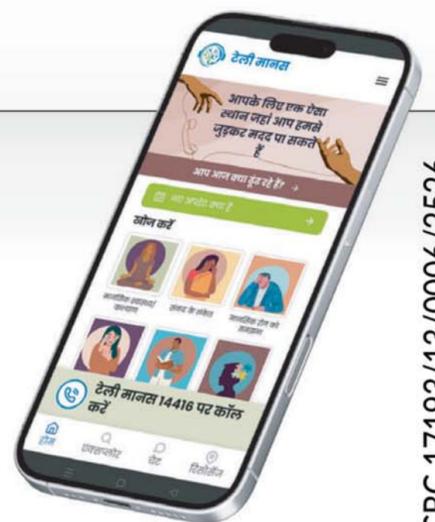
यहाँ स्कैन करें



टेली मानस के बारे में और जानने व ऐप डाउनलोड करने के लिए!



टेली मानस ऐप डाउनलोड करें और स्व-देखभाल सामग्री तथा वेलनेस अभ्यास मॉड्यूल देखें।



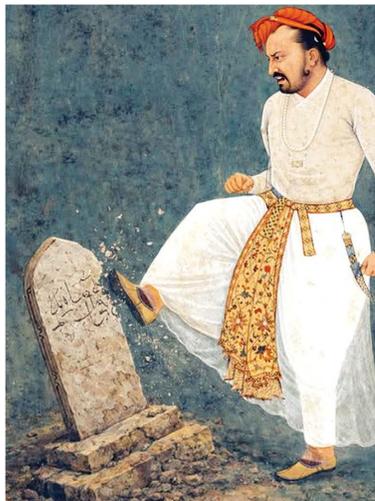
CBC 17193/13/0006/2526

- 10 क्षेत्रीय भाषाओं + अंग्रेज़ी और हिंदी में उपलब्ध।
- दिव्यांग उपयोगकर्ताओं के लिए एक्सेसिबिलिटी फीचर्स।
- मिलिए 'अस्मी' से आपके सवालों, जानकारी और सहायता के लिए आपका चैटबॉट।

#PATRICIDE

A Kick Of Disgust

Jahangir simply exploded. He reached the funerary complex of the Khilji Sultans where, as he himself recorded, "I kicked the grave of Nasir al-Din several times and ordered my servants to do the same."



On March 29, 1501, Sultan Ghiyath al-Din Khilji of the Malwa Sultanate passed away at the age of 80, after a long reign spanning three decades. Although the official chronicles attributed his death to dysentery, worsened by his advanced age, rumours also circulated that his son, and eventual successor, Nasir al-Din, had caused it.

Later, in March of 1616, Jahangir's imperial train reached Mandu, the erstwhile capital of the Malwa Sultanate. As the Mughal emperor settled in, the old rumour somehow reached his ear: of Nasir al-Din having done away with his father

Sultan Chiyath al-Din, committing patricide for the lust of the crown. Jahangir, not unpredictably, simply exploded. He reached the funerary complex of the Khilji Sultans where, as he himself recorded, "I kicked the grave of Nasir al-Din several times and ordered my servants to do the same." "Since this didn't satisfy me, I ordered the grave of Nasir al-Din to be dug open and his uncle's remains to be thrown into the fire."

"But then, I remembered that since fire is a manifestation of the divine light, it would be wrong to sully that subtle essence by burning the patricide's filthy body in it. I therefore ordered Nasir al-Din's crumbling bones to be cast into the river."



#ART

Bulbul Joshi

In the years leading up to India's independence, an amusing scene often unfolded in the Banerji family's home at 17, Adwait Mukherjee Lane in north Calcutta. Every time the radio set crackled to life with music, their little daughter, barely past toddler years, would spring up to dance. She moved with ease and abandon, making up the choreography, and yet, perfectly in step with the beat.

There was another art the child reveled in, poetry. She would memorise classic Bengali poems that were as long as the day, usually Tagore, and recite them with all the ardour, thunder and pathos she could muster. She was so good at it that she was coached and presented on Calcutta radio by the legendary broadcaster Bani Kumar, whose musical programme *Mahisasarvamardini* has been ritual listening for generations of Bengalis.

That girl with rhythm and grace, a terrific memory and impeccable recitation skills, is now 84. Once in a while, when a name or place from the distant past eludes her, she shakes her head in annoyance. But time and age have not stolen her ability to reel off an interminably long *padanti*, a string of mnemonic syllables in Kathak, with unbelievable clarity and cadence without once stumbling. Even today, she is coached by Tagore's *Nirjharer Swapnabhanga* (shattered dreams of a brook) without missing a beat and with fire in her eyes.

Manjushree Chatterjee, a Kathak dancer of the Lucknow gharana, is the universal 'Didi' to Delhi's dance community. A warm, generous, much-loved presence, she is the epitome of old-style Kathak. Not for her the angst of contemporaneity, the bug to innovate or push boundaries. For her, dance is the gift that her guru gave, the Lucknow gharana icon Shambhu Maharaj and the Jaipur legend Sundar Prasad, and it is one she conserves



as a legacy, untouched. "My gurus kept alive the purity of the form," she said. "The trend now is to do dazzling footwork but the deep inner core of the dance, I find that sadly missing now."

Manjushree was among the early students of Shambhu Maharaj in Delhi of the late 1950s, when Kathak had just moved to the metropolis from its quieter provincial homes. Between government patronage and corporate backing, it was finding more patrons, funds and support in the capital's emergent cultural institutions. Still, this was not an easy time for the first generation of migrant gurus. Another student of Shambhu Maharaj, Maya Rao, recalled in an article for *The Illustrated Weekly*, her guru's utter chagrin at having to leave his ancestral home and the gentle rhythm of Lucknow to conform to Delhi's sarkari ways.

It was into this upheaval that Manjushree walked in from Calcutta. Since then, she has been a witness to the capital's cultural history, her voice remaining important, even though, she retired her heavily strung ghungroos years ago.

Bharatanatyam dancer, Malavika Sarukkai, has known the Kathak stalwart for decades and is fascinated by her, especially by the history of dance that lives on in her body. "There was a certain idealism in that era, the 1960s and 1970s, and she carries it with her," said Sarukkai. "Of course, dance scholarship is important but I also believe that it is important that we document the lived history of our very senior dancers, instead of always seeing it in an interpretative light. How are we where we are today in dance, their perspective and stories can tell us so much."

Sarukkai's trust, Kalavahini, recently made a film on Manjushree titled *Conversations in Dance*. In it, an interview by her student and noted business leader, Vinita Bali, is interwoven with archival footage that also features many names that are long gone from our lives. The film is for Kalavahini, the first in a series, that will document the training, transmission and presentation

Manjushree Chatterjee's Is Old-Style Kathak

"I remember doing a paran (a small composition made on the notes of a tabla or pakhawaj), and tatkar (a foundational rhythmic framework for Kathak)," she said. "He asked for my mother to be summoned there and then, she had to jump into a rickshaw and land up. He asked her to bring me to Delhi to learn under him at the Bharatiya Kala Kendra. We were stunned. How were we going to cope in an unknown city?"

#ART



of dance of veteran dancers across decades. "She is a purist in both the gharanas she imbibed," said Bali. "Her own style was marked by both energy and grace, with an extraordinary and unparalleled clarity and control on laya. She kept the core essence of her dance. It was always pristine and original with that quality of excellence."

Confluence of creativity

Manjushree is still a presence at Delhi's dance events, where she can be seen in spotlessly starched white saris, hair plaited and pinned back in a bun, drinking it all in eagerly, her eyes fixed on the stage. It is a vastly different space from what the city was when she landed here, all of 18.

Earlier this month, a sudden rainstorm had just washed Delhi clean, splattering leaves and amalats petals on the quiet lanes of Jor Bagh. In a cul de sac stands an old bungalow where Manjushree lives amidst memories of what now seem like vibrant decades for the classical arts. Unlike many dancers, her circle of friendship and solidarity is vast, extending across the arts, from Nikhil Banerjee and Nikhil Ghosh to Girija Devi and Ravi Shankar to Ali Akbar Khan. For many of them, her home was theirs when they were in the city and its courtyard was an intimate space for their performances.



The pride of place on her walls, however, goes to BP Mitra. He is not a name known to most, but in the 1950s, the photographer had worked quietly in a corner of central Delhi's commercial district, Karol Bagh, to take the arts to the city's middle classes. He was also the man who eased Manjushree's passage from Calcutta to Delhi.

She talks about her journey, returning to her childhood home to pick up the pieces.

It was clear to her mother from her early fascination for dance that

she had to be found a guru. The family launched a search that ended at the doorstep of Nalini Kumar Ganguly in Uttarpur, a Hooghly neighbourhood. This meant that the family had to move.

Ganguly had travelled to Lucknow to learn Kathak from Shambhu Maharaj and his brother Achan Maharaj. It was on a visit to his shishya's Uttarpur home that Shambhu Maharaj first saw her dance.

"I remember doing a paran (a small composition made on the notes of a tabla or pakhawaj), and tatkar (a foundational rhythmic framework for Kathak)," she said. "He asked for my mother to be summoned there and then, she had to jump into a rickshaw and land up. He asked her to bring me to Delhi to learn under him at the Bharatiya Kala Kendra. We were stunned. How were we going to cope in an unknown city?"

Kendra. By all accounts, the maestro did not take well to the demands of structured arts education, yearning for the easy spirit of Lucknow.

Stories of Shambhu Maharaj's incredible artistry are legion but his greatest strength was his infinitesimally delicate abhinaya. Nazakat or elegance is the basic hallmark of the Lucknow style, but in his hands, it became a rare thing of immense beauty, there was just that the soupçon of an idea in his hands and eyes, never the obvious or full force of it. He was deeply imbued in music and had a very distinct aesthetic. Not for him the flamboyant flashes of showmanship so common in Kathak. Modern choreographers, ballets and films, he said, do not all new inroads for Kathak in a changed world, sticking to its essential solo format.

But the integrity of his form was magnificent. "His eyes," Manjushree recalled, her face softening at the memory. "His eyes spoke. Only he could hold your attention with just a look."

Even as she studied under her guru, she was offered a job as a teacher at Kala Vihar, '16 A/18, Ajmal Khan Road," she said. "I would finish teaching and then head straight to guruji's classes at his home in Karol Bagh at 2 PM. I started in 1959 and I learnt with him till the day he died in 1970."

Yet, another guru had sought her out when she was learning under Shambhu Maharaj, Sunder Prasad, the Jaipur gharana guru. The Lucknow and Jaipur styles vary dynamically, the one all fluid grace, the other more dynamic.

In her years as a teacher and then director at Kala Vihar, she created a place for young students that was warm, inviting and vibrant. "It was a fabulous confluence of music, dance, an open house for the arts, a happy place," recalled Bali. "We had Shambhu Maharajji come in to watch us and I remember how exciting it was for us youngsters. Nikhil Banerjee would be around. And if you lived in the neighbourhood, as I did, you could late into the night hear the



sounds of his sitar in riyaz."

Mastery over rhythm
Manjushree is renowned for her clear and ringing padhant, an element that is entirely unique to Kathak. It requires the dancer to weave together and recite percussive notes for the dance that is then followed by the tabla and finally danced to.

"You don't find this in any other dance form," said Siddhi Goel, a Kathak scholar who has also delved into the forms linked to Hindi cinema. "There are descriptions of the practice going back 300 to 400 years. It needs flamboyance and attitude to pull it off well on stage. How you use cadence, voice modulation, all of it matters. If it is flat, it does nothing for the dancer or the dance. It shows technical competence."

Manjushree's mastery over rhythm is what got her the camaraderie and admiration of many great tabla players. Santa Prasad, Latif Ahmed Khan, Kishen Maharaj, Nikhil Ghosh and Swapan Chaudhuri, among them. Her scrapbook of reviews is full of praise for her footwork and how she equalled the eminent tabla players accompanying her. *The Statesman* critic in 1957 points to her solo with Santa Prasad, where her 'featherly' movements cleared the tabla's 'excesses' with 'dainty grace'.

Like her beloved guru, Manjushree treasured tradition over innovation. And this is particularly striking because her guru behans, especially Maya Rao and Kumudini Lakhia, chose to travel their own highly individual paths in their creative careers. With the exception of a few ballets, notably one featuring Tagore and another for sarod wizard Ali Akbar Khan, she chose the path laid out by her first guru.

"Maya and Kumudini were great choreographers and I enjoyed watching them," she said. "But experiments were not for me. It was enough that I had the privilege of carrying on the legacy of my great gurus."

rajeshsharma1049@gmail.com

#HERITAGE

This Too Was Stolen

Margot Robbie Wears Elizabeth Taylor's Rs. 74 Crore Taj Mahal Necklace, Sparks Controversy on Indian Origins



Margot Robbie made headlines at the world premiere of her upcoming film *Wuthering Heights* in Los Angeles when she stepped onto the red carpet wearing a striking piece of jewelry, an iconic Cartier Taj Mahal Necklace once owned by legendary actress Elizabeth Taylor. This necklace, valued at an eye-watering Rs. 74 crore (approximately \$8.8 million), left a lasting impression, but it also stirred a significant controversy, especially on Indian social media.

The Stunning Necklace with a Rich History

The jewel in question is a breathtaking heart-shaped diamond necklace that features a Parsi inscription reading, "Love is Everlasting." Margot paired the necklace with a custom Schiaparelli couture gown for the event. However, while the actress spoke about wearing the historic piece that had been a gift to Elizabeth Taylor from her husband Richard Burton for her 40th birthday in 1972, she left out a crucial detail about the necklace's origins.

A Royal Connection: The Necklace's True Origins

The Taj Mahal Necklace has a deep and controversial history that traces back to India during the Mughal Empire. According to an Instagram post from The Juggernaut, the necklace was



originally gifted by Emperor Jahangir to his wife Nur Jahan, one of the most influential women in Mughal history. It was later passed down to their son, Shah Jahan, who gave it to his wife Mumtaz Mahal, whose memory is immortalized in the Taj Mahal.

The inscription on the necklace includes Nur Jahan's name, her title 'Lady of the Padshah,' and the regnal year 1037 AH, which corresponds to around 1627-28 AD. After its time in India, the necklace was taken to the United States, where it was bought by Richard Burton for Elizabeth Taylor.

The Indian Internet Responds

While Margot Robbie's appearance at the premiere certainly dazzled, the omission of the necklace's Indian origins raised a firestorm of reactions on Indian social media. Many users pointed out that the Parsi

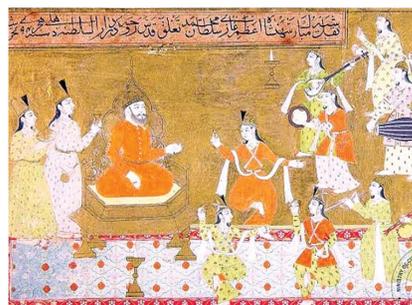
inscription on the necklace clearly identifies it as a Mughal-era piece, one that was once owned by Nur Jahan.

One user remarked, "So, when exactly did Elizabeth Taylor become Nur Jahan? Anyone who reads Urdu or Persian can see the inscription: 'Nur Jahan Begum Padshah 1037 AH (Islamic year). This necklace was given by Jahangir, the 4th Mughal Emperor, to his wife Nur Jahan.' Others were less diplomatic, with one commenting, 'Elizabeth Taylor's necklace? Sweetie, that was STOLEN from India; the inscription is literally in Urdu and says Nur Jahan.' A vocal online group demanded the necklace's return to India, with one user commenting, 'They really never beat the allegations of being a thief... It's not yours.'"

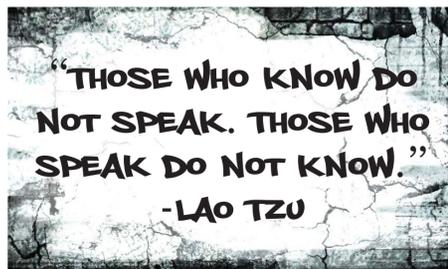
A Global Conversation

This incident has sparked an ongoing debate about the ownership and historical appropriation of valuable artifacts, particularly those with roots in colonial history. For many, the necklace symbolizes not only royal opulence but also the complex legacy of cultural artifacts taken from India during British colonial rule and other periods of exploitation.

Although Margot Robbie's appearance brought the historical necklace into the global spotlight, it also reignited the conversation around the repatriation of cultural treasures to their countries of origin.



THE WALL



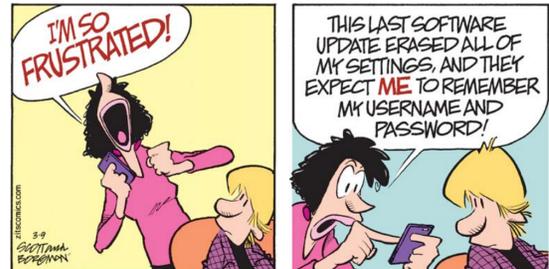
BABY BLUES



By Rick Kirkman & Jerry Scott



ZITS



By Jerry Scott & Jim Borgman



सड़क हादसे में महिला की मौत

टोंक। बरोनी थाना क्षेत्र स्थित जयपुर कोटा हाईवे पर बनास पुलिया के समीप वैष्णो देवी माता मंदिर के कट के समीप बुधवार को एक भीषण सड़क हादसे में एक कार फिल्मी स्टाइल में अनियंत्रित होकर पलट गई। इस घटना में एक महिला की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। जबकि कार में सवार करीब आधा दर्जन लोग गए, जिसके बाद हाईवे पर सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को तत्काल जिला सआदत अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है। घायल होने वाला परिवार कोटा का है, जो सीकर के बाबा खादू श्याम दर्शन करने के बाद वापस लौट रहा था। इस दौरान आसपास के लोगों ने दौड़कर घायलों को बाहर निकाला, जहां महिला पुनम गुप्ता की मौके पर मौत हो गई, जानकारी के अनुसार महिला बिजली विभाग में कर्मचारी थी, जबकि उसमें सवार पुनम के पति जतिन गुप्ता, रोहित समेत आधा दर्जन लोग घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि दुर्घटना में घायल होने वाला परिवार कोटा के महावीर नगर विस्तार योजना निवासी है, जो सीकर जिले के बाबा खादू श्याम मंदिर में दर्शन करने के बाद लौट रहे थे। इस बीच जयपुर कोटा हाईवे पर बनास पुलिया के समीप यह दर्दनाक हादसा सामने आया। हादसे में कार का आगे वाला हिस्सा काफी क्षतिग्रस्त हो गया, इधर, लोगों की चीख पुकार सुनकर आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई। लोगों ने तत्काल कार में फंसे घायलों को बाहर निकालने का काम शुरू किया। पुलिस ने घायल परिवार के लोगों को सूचना दे दी है, जो कोटा से टोंक के लिए रवाना हो गए हैं।

लक्ष्मी मेले में सांसद ने की शिरकत

शाहपुर। शाहपुर के समीप त्रिवेणी धाम में हर वर्ष के भाति धुलंडी के दूसरे दिन बुधवार को संत श्री रामरिछापालदास जी महाराज के सान्निध्य में बाबा गंगादास जी महाराज का लक्ष्मी मेला भरा। जिसमें दूर दराज के क्षेत्रों से लाखों की संख्या में लोग मेला देखने पहुंचे। भाजपा जयपुर जिला देहात उत्तर मीडिया प्रभारी सुभाष जोशी ने बताया कि इस दौरान जयपुर ठामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह ने त्रिवेणी धाम में बाबा गंगादास जी महाराज के मेले में शिरकत करते हुए ठाकुर जी महाराज एवं श्री गंगादास जी महाराज, श्री भगवानदास जी महाराज एवं पदमश्री नारायणदास जी महाराज के चरणों के दर्शन कर परिक्रमा लगाते हुए क्षेत्र की खुशहाली एवं अमन चैन की प्रार्थना करी।

रत्ना कुमारी शाहपुरा को प्रदेश कार्यकारिणी में स्थान मिला

शाहपुर। भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान द्वारा घोषित नई प्रदेश कार्यसमितियों में उत्तर देहात जिले से वरिष्ठ भाजपा नेत्री रत्ना कुमारी शाहपुरा को



प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है। उनके मनोनयन से जिले भर के कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में उत्साह और हर्ष का वातावरण है।

भाजपा नेत्री रत्ना कुमारी लंबे समय से संगठनात्मक गतिविधियों एवं सामाजिक सरोकारों से सक्रिय रूप से जुड़ी रही हैं। पार्टी की विचारधारा के सशक्त प्रचार-प्रसार, संगठन विस्तार तथा जनसेवा के विभिन्न अभियानों में उनकी भूमिका उल्लेखनीय रही है। उनके समर्पण, अनुभव और सक्रिय नेतृत्व क्षमता को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है। अपने मनोनयन पर रत्ना कुमारी जी ने शीघ्र नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का पूर्ण प्रयास करेंगी तथा प्रदेश में पार्टी संगठन को और अधिक मजबूत, संगठित एवं प्रभावशाली बनाने के लिए निरंतर कार्य करती रहेंगी। पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व से संगठन को नई ऊर्जा, मजबूती और दिशा मिलेगी।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

भारतीय वायुसेना में अग्निवीर वायु भर्ती के लिए आयु सीमा में छूट, ऑनलाइन आवेदन शुरू

दौसा। भारतीय वायुसेना में अग्निवीर वायु पदों पर भर्ती के लिए आयु सीमा में विशेष छूट प्रदान करते हुए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पुनः प्रारंभ कर दी गई है। एक वायु सैनिक चयन केंद्र के कमान अधिकारी विंग कमांडर अभिषेक कटोच ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बार अधिकतम आयु सीमा 21 वर्ष से बढ़ाकर 22 वर्ष कर दी गई है, जिससे अधिक अभ्यर्थियों को अवसर मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि अग्निवीर वायु इंटेक 01/2027 के लिए पुरुष एवं महिला दोनों अभ्यर्थियों के लिए

22 वर्ष आयु तक के अभ्यर्थी भी कर सकेंगे आवेदन

आवेदन पोर्टल 3 मार्च से 10 मार्च तक पुनः खोला गया है। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी आयु सीमा में दी गई छूट का लाभ उठाते हुए निर्धारित अवधि में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। यह युवाओं के लिए भारतीय सशस्त्र बलों का हिस्सा बनकर देशसेवा करने का सुनहरा अवसर है। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी

आधिकारिक वेबसाइट [://www.iaf.gov.in](http://www.iaf.gov.in) पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए अभ्यर्थी की जन्म तिथि 01 जनवरी 2005 से 01 जुलाई 2009 के बीच (दोनों तिथियां सममिलित) होनी चाहिए। शैक्षणिक योग्यता के तहत अभ्यर्थी का 12वीं या समकक्ष परीक्षा न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना जरूरी है तथा अंटीजो विषय में भी न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक अनिवार्य हैं। 12वीं में भौतिकी एवं गणित विषय वाले अभ्यर्थी साइंस ग्रुप एवं अन्य ग्रुप

दोनों में आवेदन के पात्र होंगे, जबकि अन्य विषयों से उत्तीर्ण अभ्यर्थी नॉन-साइंस ग्रुप में आवेदन कर सकेंगे। विंग कमांडर अभिषेक कटोच ने बताया कि आयु सीमा में संशोधन के अतिरिक्त अन्य सभी शर्तें एवं भर्ती प्रक्रिया के मानदंड विज्ञापन संख्या 10803/13/0025/2526 के अनुसार ही लागू रहेंगे, जो 17 जनवरी 2026 के रोजगार समाचार में प्रकाशित हुआ था। संबंधित विज्ञापन एवं कोरिजेंडम वेबसाइट पर उपलब्ध हैं, जिन्हें अभ्यर्थी डाउनलोड कर सकते हैं।

बाँली में फूलडोल मेला आज से

बाँली- बामनवास। रामस्नेही संप्रदाय के संतों द्वारा रामशाला चौक बाँली नगर में प्रारंभ कराया जाने वाला तीन दिवसीय प्राचीन वार्षिक तीन दिवसीय फूलडोल मेला आज गुरुवार से प्रारंभ होगा वार्षिक फूलडोल मेले में झूला, चकरी, रेटक व अन्य बाल खेल संसाधनों के साथ, मनहारी, लोहे व अन्य धातुओं के बर्तन, मिट्टी के बर्तन सहित अन्य खाद्य व घरेलू सामग्री दूर-दूर से आए व्यापारियों द्वारा विक्रय के लिए लाई जाती है इस प्राचीन मेले में हिन्दू, मुस्लिम महिलाएं अपने प्रतिवर्ष घरेलू कार्य में आने वाली सामानों की खरीदारी जमकर करती है महिलाएं व बालिकाएं अपने खेती, घर व पढ़ाई आदि के कार्यों से निवृत्त होकर देर शाम तक रात्रि तक भी मेले में खरीददारी करती रहती है इस वर्ष नगर पालिका अध्यक्ष पद पर मुक्ति के



फूलडोल मेला की बाँली में तैयारी पूरी हो गई।

कारण मैला प्रांगण में विद्युत् एवं पेयजल व्यवस्था नहीं की गई मेले में अनेको महिला व्यापारी भी अपना आए व्यापारी एवं मेले प्रांगण के पड़ोसियों ने बताया कि मेले में हर वर्ष अनेको महिला व्यापारी भी अपना सामान लेकर मेले में आती है।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से शान्तिपूर्ण संपन्न

पावटा। कस्बे व आस पास के क्षेत्रों में ग्रामीणों ने बड़े हर्षोल्लास पूर्वक वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान सहित हरियाणा, उत्तर प्रदेश और पंजाब के सैकड़ों पहलवानों ने अपने दांवपेंच दिखाकर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। इस रोमांचक दंगल में करीब 60 मुकाबले आयोजित किए गए। कार्यक्रम में डॉ. ऋतु बनावत ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने पहलवानों का परिचय करवाकर कुशितियों की औपचारिक शुरुआत कराई। इस दौरान विधायक ने अखाड़े के चारों ओर दर्शकों के बैठने के लिए सीढ़ियां बनवाने और पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए आधुनिक स्टेडियम जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। दंगल की सबसे बड़ी 71 हजार रुपये इनामी राशि की कुश्ती आगार के हरेन्द्र और मधुरा के शिवा के बीच हुई। निर्धारित 10 मिनट तक चले इस मुकाबले में दोनों पहलवानों ने जोरदार प्रदर्शन किया, लेकिन कोई भी एक-दूसरे को चित नहीं कर सका। अंततः निर्णायकों ने मुकाबला बराबरी पर घोषित किया। इसी तरह 51 हजार रुपये की कुश्ती सतवीर सिंह और दीपक नूरपुर के बीच बराबरी पर छूटी।



पावटा में होलिका दहन से पहले पूजा अर्चना की गई।

वर्ष उगे धान में गेहूँ की बालियां एवं चने के होळका चढ़ाते हुए होली की ज्वाला में इन्हें सेक कर प्रसाद रूप में बांटा गया। इससे पहले सोमवार को सुबह से ही पावटा कस्बे के होली चौक पर होली पूजन के लिए महिलाएं समूह में होली के गीत गाते हुए पहुंचीं जिससे महिलाओं की भीड़ नजर आई। होली के पर्व पर जहां एक ओर बच्चे व युवा डोजे पर नाचते दिखाई दिए वहीं कस्बे

जगह जगह रही फागोत्सव व स्नेह मिलान समारोह की धूम, अबीर-गुलाल लगाकर खेली होली, चंग की थाप पर किया नृत्य

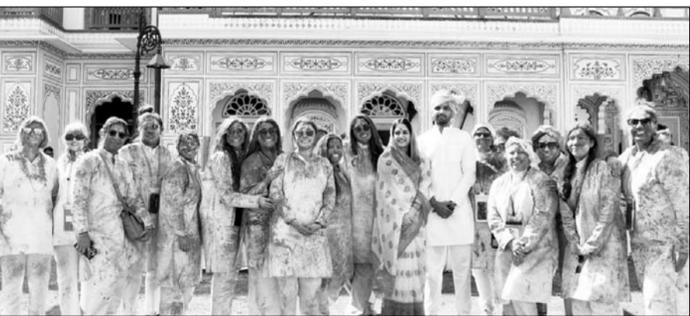
खेलना व चक्रीर्थ टीलाजी महाराज के मेले का आयोजन

सहित आस पास के क्षेत्रों में विभिन्न स्थानों पर फागोत्सव की धूम रही। महिलाओं ने होली के गीत गाकर एक दूसरे के साथ रंग-गुलाल व फूलों की होली खेली। वहीं घरों में विभिन्न तरह के पकवान बनाए गए। हालांकि धूलंडी की तिथि और चंद्र ठाणू को लेकर लोगों में असमंजस की स्थिति बनी रही। इसके बावजूद अधिकांश नगरवासियों ने 3 व 4 मार्च को धूलंडी का पर्व मनाया। मंगलवार व बुधवार दोपहर तक

होली खेलने का दौर चला। वही शाम को खेलना व चक्रीर्थ टीलाजी महाराज के मेले का आयोजन किया गया। जहाँ श्रद्धालुओं ने टीलाजी महाराज के दर्शन कर भाग लगा मेला का आनंद उठाया। वही ठाम पंचायत दलित में हर वर्ष की भाति धुलण्डी के दिन विशाल कुश्ती का आयोजन किया गया। जिसमें दूर-दूर से आये पहलवानों ने भाग लेकर अपना दमखम दिखाया। इस कार्यक्रम की व्यवस्था मेला कमेटी व ठामीणों के सहयोग से की गई।

शाहपुरा हवेली का “रंग बरसे होली महोत्सव” में अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों और स्थानीय ग्रामीणों की सहभागिता रही

पावटा। शाहपुरा हवेली में आयोजित वार्षिक रंग बरसे होली महोत्सव इस वर्ष अत्यंत भव्य और उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस सांस्कृतिक आयोजन में देश-विदेश से आए पर्यटकों के साथ-साथ शाहपुरा गांव के स्थानीय निवासियों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस वर्ष इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी, संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए), इटली सहित विभिन्न देशों से आए पर्यटक विशेष रूप से पारंपरिक और प्रामाणिक होली उत्सव का अनुभव करने शाहपुरा हवेली पहुंचे। यह बढ़ती अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति इस बात का प्रमाण है कि शाहपुरा की सांस्कृतिक उत्सव परंपराएं वैश्विक स्तर पर पहचान बना चुकी हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक स्वागत एवं ठंडाई से किया गया, जिसके पश्चात अतिथियों ने सफेद परिधानों में औपचारिक रंगों एवं पारंपरिक पिचकारियों के साथ विशाल लॉन में होली खेली। पूरे परिसर में ढोल, लोक संगीत और उल्लासपूर्ण वातावरण ने उत्सव को जीवंत बना दिया। इस अवसर पर अलवर से पधारे सुप्रसिद्ध लोक कलाकार मातादीनी जी एवं उनकी मंडली द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। कार्यक्रम में होली की पारंपरिक चंग वादन, रंगारंग कच्ची घोड़ी नृत्य, दुर्लभ लोक वाद्य भंगों की मधुर प्रस्तुति तथा विश्वप्रसिद्ध



शाहपुरा हवेली में आयोजित होली महोत्सव में ग्रामीणों के साथ विदेशी मेहमान भी शामिल हुए।

कालबेलिया नृत्य सहित अनेक लोक प्रस्तुतियां दी गईं। इन प्रस्तुतियों ने विदेशी मेहमानों को राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति से रूबरू कराया और सभी ने उत्साहपूर्वक आनंद लिया। उत्सव की एक विशेषता यह भी रही कि शाहपुरा कस्बे के स्थानीय निवासी भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। उन्होंने पर्यटकों के साथ मिलकर होली खेली तथा शाहपुरा परिवार को सम्मान अर्पित किया। इस प्रकार यह आयोजन एक सुंदर सांस्कृतिक समागम बन गया, जहां स्थानीय परंपरा और वैश्विक सहभागिता का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस अवसर पर अधिराज शाहपुरा, निदेशक

(ऑपरेशन्स), शाहपुरा होटल्स एंड रिसॉर्ट्स एवं सचिव, एचआरएआर, ने कहा कि हमें अत्यंत हर्ष है कि विश्व के विभिन्न देशों से आए अतिथि हमारे परिवार और स्थानीय समुदाय के साथ मिलकर होली का उत्सव मना रहे हैं। लगभग 15 वर्ष पूर्व जो आयोजन एक छोटे पारिवारिक कार्यक्रम के रूप में प्रारंभ हुआ था, वह आज अंतरराष्ट्रीय पहचान प्राप्त कर चुका है। हमारा पूरा परिवार स्वयं इन त्योहारों में भाग लेता है ताकि मेहमानों को वास्तविक राजस्थानी पारिवारिक परंपराओं का अनुभव मिल सके। कार्यक्रम का समापन पारंपरिक व्यंजनों से सजे भव्य बुफे लंच

के साथ हुआ। शाहपुरा हवेली में आयोजित होली, दीपावली और गणगौर उत्सव आज अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के बीच अत्यंत लोकप्रिय हो चुके हैं। अनेक विदेशी अतिथि विशेष रूप से इन उत्सवों का अनुभव करने अपनी यात्रा की योजना बनाते हैं। आगामी 21 मार्च को आयोजित होने वाला गणगौर महोत्सव भी इसी उत्साह के साथ मनाया जाएगा। शाही परिवेश, पारिवारिक सहभागिता और जीवंत लोक संस्कृति के साथ शाहपुरा हवेली ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि यहां केवल ठहरने की सुविधा ही नहीं, बल्कि एक अविस्मरणीय सांस्कृतिक अनुभव भी प्राप्त होता है।

5 मार्च को लगेगा युवा संबल मेला

दौसा। कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग के तत्वावधान में गुरुवार, 5 मार्च को सुबह 10 बजे से यहां पंडित नवल किशोर शर्मा राजकीय पीजी कॉलेज में युवा संबल मेले का आयोजन किया जाएगा। बरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के बेहतरान अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित होने वाले इस मेले में देश और प्रदेश की कई प्रतिष्ठित कंपनियां शिरकत करेंगी। जिला रोजगार अधिकारी श्याम लाल शर्मा ने बताया कि इस मेले में हेल्थ, फॉसई, ऑटोमोबाइल, एयरफॉसई, एलआईसी और सिक्वैरिटी जैसे विभिन्न क्षेत्रों की 30 से अधिक नामी कंपनियां हिस्सा ले रही हैं। ये कंपनियां अपनी आवश्यकतानुसार युवाओं का साक्षात्कार लेकर मौके पर ही उनका चयन करेंगी। उन्होंने बताया कि मेले में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के लिए क्यूआर कोड के माध्यम से ऑन-द-स्पॉट रजिस्ट्रेशन की सुविधा दी गई है। इसके अलावा, मेले में राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम, प्रधानमंत्री इंटरशिप योजना, मुख्यमंत्री युवा संबल योजना और पीएम विश्वकर्म जैसे प्रमुख योजनाओं के स्टॉल भी लगाए जाएंगे। जहां पात्र लाभार्थी सीधा लाभ उठा सकेंगे। जिला रोजगार अधिकारी ने जिले के सभी शिक्षित और योग्य युवाओं से अपील की है।

महिला दिवस सप्ताह कार्यक्रम शुरु

टोंक। महिला दिवस सप्ताह कार्यक्रम शुभारंभ बुधवार को किया गया, जिस हेतु निदेशालय महिला अधिकारिता विभाग के निदेशानुसार बुधवार को विभागीय योजनाओं के व्यापक प्रचार प्रसार हेतु कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यक्रम की शुरुआत में महिला अधिकारिता विभाग की सहायक निदेशक मैरिगटन सोनी ने विभाग द्वारा महिला सशक्तिकरण की विभिन्न योजनाओं पर चर्चा किए जाने के लिए आयोजित इस कार्यशाला में, केंद्र सरकार के बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान पर वार्ता की। बेटियों के अस्तित्व, घटते जन्म के समग्र विलीनगुना, शिक्षा एवं पोषण के लिए बच्चियों के समान अधिकार पर भी विचार व्यक्त किए। सहायक निदेशक ने बताया कि राजस्थान के सभी जिलों में एक सखी केंद्र अवश्य होता है, जहां एक ही छत के नीचे प्रताड़ित महिला को चिकित्सा, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, विधिक परामर्श मुहैया करवाने के लिए कार्सलर उपस्थित रहते हैं। सखी केंद्र चिकित्सालय से 2 किमी के दायरे में ही स्थापित किए जाते हैं। टोंक जिले का सखी केंद्र जनाना अस्पताल के तृतीय तल पर संचालित है। इसी प्रकार टोंक जिले के सभी थाना सर्किल पर महिला सलाह एवं सुरक्षा केंद्र संचालित है।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम सुरेन्द्र सिंह के स्थान पर सुरेन्द्र सिंह राठौड़ पुत्र पत्ने सिंह राठौड़ रख लिया है भविष्य में इसी नाम से जाना जावे, पता - ई -313, शास्त्री नगर अजमेर राजस्थान

प्रसन्न संख्या 7 (देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रत्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुक्यम नम्बर DEV/AJIPUR/TRUST/2026/1610 सूचित प्राचीं श्री घनश्याम अरवाल की-189-ए. युनिवर्सिटी मार्ग, लाल कोठी, गांधी नगर जयपुर 302015 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रत्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रयास वैभव चैतन्य एडव. की-189-ए. युनिवर्सिटी मार्ग, लाल कोठी, गांधी नगर, जयपुर 302015 के सम्बन्ध में अधिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रत्यास विरक्ति जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रत्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अधिच के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गईं तो उक्त आवेदन-पत्र निवारित रीति से निर्णित किया जाएगा तथा कुछ प्रतिष्ठ मानले में निम्नलिखित अतिरिक्त किया जावेगा।

आज दिनांक 04.03.2026 को हरें हस्ताक्षर तथा कार्यलय मोहर के अधीन जारी किया जायेगा। आह्वान तारीख पेशी 08.05.2026

सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

COLLEGE OF AGRICULTURE
(S.K.N. Agriculture University)
Kumher, Distt. - Deeg, PIN- 321201

No. :- F./OT/COA-K/2026/6649 Date :- 26/02/2026

NOTICE INVITING BID

Bid for open tender regarding supply of Laboratory Equipment's are invited from interested bidders up to 02 PM of 07.03.2026 and the tender will be opened on 07.03.2026 at 02.30 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (<http://sppp.raj.nic.in>) of the Rajasthan state; and www.sknu.ac.in University Website.

NIB code: SKN2526A0485 and UBN is: SKN2526GS0B00522

Raj.Samwad/C/25/21691 DEAN

COLLEGE OF AGRICULTURE
(S.K.N. Agriculture University)
Kumher, Distt. - Deeg, PIN- 321201

No. :- F./OT/COA-K/2026/6643 Date :- 26/02/2026

NOTICE INVITING BID

Bid for open tender regarding supply of Items for Smart Class Room are invited from interested bidders up to 02 PM of 07.03.2026 and the tender will be opened on 07.03.2026 at 02.30 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (<http://sppp.raj.nic.in>) of the Rajasthan state; and www.sknu.ac.in University Website.

NIB code: SKN2526A0484 and UBN is: SKN2526GS0B00521

Raj.Samwad/C/25/21692 DEAN

COLLEGE OF AGRICULTURE
(S.K.N. Agriculture University-Jobner)
Bhusawar - Bharatpur (Rajasthan)-321406

No. :- F./I/Actt./Dean/COAB/2026/1016 Date :- 26/02/2026

NOTICE INVITING BID

Bid for open tender regarding Furniture items tender are invited from interested bidders up to 11.00 AM, 06.03.2026 other particulars of the bid may be visited on the procurement portal <http://sppp.raj.nic.in> & of the state; www.sknu.ac.in University website.

NIB code SKN2526A0477 and UBN is SKN2526GS0B00514

Raj.Samwad/C/25/21690 DEAN

COLLEGE OF AGRICULTURE
(S.K.N. Agriculture University-Jobner)
Bhusawar - Bharatpur (Rajasthan)-321406

No. :- F./I/Actt./Dean/COAB/2026/1012 Date :- 26/02/2026

NOTICE INVITING BID

Bid for open tender regarding Fixture items tender are invited from interested bidders upto 11.00 AM, 06.03.2026 other particulars of the bid may be visited on the procurement portal <http://sppp.raj.nic.in> & of the state; www.sknu.ac.in University website.

NIB code SKN2526A0480 and UBN is SKN2526GS0B00517

Raj.Samwad/C/25/21689 DEAN

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने राजस्थान सम्पर्क हेल्पलाइन पहुंचकर की परिवारियों से बात

परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के लिए निर्देश

जयपुर, (निसं)। अतिरिक्त मुख्य सचिव, जल संसाधन, इन्दिरा गांधी नहर एवं सिंचित क्षेत्र विकास विभाग अभय कुमार ने बुधवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान सम्पर्क हेल्पलाइन (181) पहुंचकर परिवारियों से कॉल पर संवाद किया और उनकी समस्याएं जानी। उन्होंने समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। कुमार ने विभागीय अधिकारियों के साथ प्रकरणों के निस्तारण की औसत अवधि, लंबे समय से लंबित मामलों, कम संतुष्टि प्राप्त श्रेणियों तथा जल संसाधन विभाग से संबंधित शिकायतों की विस्तृत एवं तथ्यात्मक समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक परिवारों की समस्या का त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त प्रकरणों के निस्तारण के लिए आवश्यक सुधारालोक उपाय अपनाये जाएं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को परिवारियों के साथ प्रभावी संवाद स्थापित करने के निर्देश दिए। इस



अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बुधवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान सम्पर्क हेल्पलाइन (181) पहुंचकर परिवारियों से कॉल पर संवाद किया और उनकी समस्याएं जानी।

दौरान उन्होंने जल संसाधन विभाग, इन्दिरा गांधी नहर एवं सिंचित क्षेत्र विकास विभाग से संबंधित विभिन्न शिकायतों के निस्तारण की प्रगति की वर्तमान स्थिति का भी मूल्यांकन किया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों में लोक शिकायतों के प्रभावी निस्तारण के

उद्देश्य से सभी विभागों के प्रभारी सचिव 4 मार्च से 28 अप्रैल तक राजस्थान सम्पर्क हेल्पलाइन पर निर्धारित तिथियों में स्वयं उपस्थित रहकर शिकायतकर्ताओं से सीधा संवाद स्थापित कर रहे हैं। इस पहल के माध्यम से प्रकरणों की सुनवाई, तथ्यात्मक समीक्षा तथा त्वरित एवं

गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। इस अवसर पर जल संसाधन विभाग, इन्दिरा गांधी नहर एवं सिंचित क्षेत्र विकास विभाग, प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग तथा राजस्थान सम्पर्क हेल्पलाइन के अधिकारी मौजूद रहे।

युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

जयपुर। राजधानी के बिंद्याकर रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को शाम एक 35 वर्षीय युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही कनकपुरा आरपीएफ, जीआरपी एवं बिंद्याकर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने की बात सामने आई है। हालांकि मृतक की शिनाख्त के प्रयास जारी हैं। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है तथा रेलवे स्टेशन परिसर के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

फर्जी फर्मों से बैंक लोन प्रकरण में सजा, जांच अधिकारी पर भी कार्रवाई के आदेश

जयपुर, 4 मार्च। सीबीआई मामले के अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने फर्जी फर्मों का गठन कर विजया बैंक से लोन लेने के 25 साल पुराने मामले में अभियुक्त अलोक कुमार अग्रवाल को सात साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर पचास हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। प्रकरण में अदालत ने अभियुक्त के भाई अरुण अग्रवाल को दोषमुक्त कर दिया है। वहीं सुनवाई के दौरान अभियुक्त के पिता सावरमल की मौत हो चुकी है।

पीठासीन अधिकारी जया अग्रवाल ने अपने आदेश में कहा कि जांच अधिकारी ने फर्जी फर्मों के खाता खोलने के प्रार्थना पत्र तक एकत्रित करने का प्रयास नहीं किया। जांच अधिकारी ने प्रार्थना पत्र व केवाईसी दस्तावेजों को जांच के दायरे से बाहर रखा, जबकि वह जानता था कि ये प्रार्थना पत्र ही मुख्य प्रमाण होते हैं, जो बैंककर्मियों की मिलीभगत को उजागर करते हैं। ऐसे में सीबीआई निदेशक को निर्देश दिए जाते हैं कि वह प्रकरण के मुख्य अनुसंधान

अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करो अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक अनिरुद्ध दाधीच ने बताया कि मामले में विजया बैंक, जयपुर में दस फर्मों के नाम से विजया बैंक में खाते खोले गए, जबकि इन फर्मों का कोई अस्तित्व ही नहीं था। इन खातों के जरिए विजया बैंक को करीब पांच करोड़ रुपए की हानि पहुंचाई गई थी। प्रकरण में गुप्त सूचना पर सीबीआई ने मामला दर्ज कर साल 2001 और साल 2002 में विशेष न्यायालय में आरोप पत्र पेश किया था।

जेजेएम घोटाला मामले में आरोपियों की तलाश में 16 दिन से सर्च ऑपरेशन जारी

जयपुर, (निसं)। जल जीवन मिशन में हजारों करोड़ रुपये के कथित भ्रष्टाचार मामले में फरार चल रहे आरोपित सुबोध अग्रवाल व अन्य की गिरफ्तारी के लिए एसीबी का सर्च ऑपरेशन लगातार जारी है। 17 फरवरी 2026 से शुरू हुई पतारसी कार्रवाई को बुधवार तक 16 दिन पूरे हो चुके हैं। इस दौरान पुलिस की 40 विशेष टीमें विभिन्न राज्यों में लगातार दबिश दे रही है।

एसीबी पुलिस महानिदेशक गोविंद गुप्ता के अनुसार उप महानिरीक्षक पुलिस एवं पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, उप अधीक्षक पुलिस, पुलिस निरीक्षक व अन्य अधिकारियों की टीमें गठित कर आरोपियों की तलाश जा रही है।

अब तक जयपुर, उदयपुर, बाड़मेर, जोधपुर, झालावाड़, कोटा, नागौर, विराटनगर, निवाई (टोंक), चंदवाजी-

21 शहरों में 100 से अधिक ठिकानों पर दबिश

आमेर, गंगापूर सिटी सहित नई दिल्ली, चंडीगढ़, हरियाणा के फरीदाबाद व सोहना, उत्तर प्रदेश के नोएडा, मेरठ, प्रयागराज, बुलंदशहर, खुर्जा तथा मुंबई समेत करीब 21 शहरों में 100 से अधिक संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा चुकी है। इनमें आरोपियों के जयपुर स्थित सी-स्क्रीम, निर्माण नगर, मान्यावास, बजाज नगर विस्तार और सुंदर नगर स्थित आवास, आसपास के सिवाड़, बगरू व बिंद्याकर के फार्म हाउस, नई दिल्ली की न्यू मोती बाग व डिफेंस कॉलोनी, फरीदाबाद सेक्टर-39, नोएडा, सोहना के फार्म हाउस तथा मुंबई के मालाबार हिल और जुहू क्षेत्र में

रिश्तेदारों के घर शामिल है।

पुलिस अब तक करीब 50 लोगों से पूछताछ कर चुकी है। इनमें आरोपियों के करीबी रिश्तेदार, मित्र, ड्राइवर, नौकर व संभावित रूप से आश्रय देने वाले व्यक्ति शामिल हैं। तकनीकी स्तर पर भी जांच तेज की गई है। पांच शहरों में आरोपियों व उनके परिचितों के ठिकानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का विश्लेषण कर सूचनाएं जुटाई जा रही हैं। इसी क्रम में दिल्ली, मुंबई, नोएडा, फरीदाबाद और मेरठ से चार व्यक्तियों-गौरव अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल, समीर अग्रवाल तथा प्रणव चंद्रा-को पूछताछ के लिए लाया गया। पुलिस इनसे आरोपियों के संभावित ठिकानों व संपर्कों के बारे में जानकारी जुटा रही है। वहीं आरोपियों की गिरफ्तारी तक संचन संच ऑपरेशन जारी रहेगा और सहयोग देने वालों के खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कचौड़ी की दुकान में भीषण आग

जयपुर। कोतवाली थाना इलाके स्थित फिल्म कॉलोनी में सोमवार दोपहर एक कचौड़ी और नमकीन की छोटी दुकान में अचानक आग लगी। दुकान में रखे गैस सिलेंडर और गर्म तेल के कारण आग तेजी से भड़क उठी, जिससे आसपास अफरा-तफरी मच गई। एहतियातन आसपास की दुकानों को तुरंत बंद करा दिया गया।

थानाधिकारी राजेश गौतम ने बताया कि सूचना पर दमकल विभाग की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और करीब आधे घंटे में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। समय रहते कार्रवाई होने से बड़ा हादसा टल गया। प्रारंभिक जांच में खाना बनाने समय गैस सिलेंडर की पाइप में लीकेज को आग लगने का कारण माना जा रहा है।

घटना के समय दुकान मालिक मदनलाल मीणा और कर्मचारी सत्यनारायण दुकान में मौजूद थे। आग की चपेट में आकर दुकान में रखा तेल व अन्य सामान जलकर खाक हो गया।

जेल में बंद रिटायर्ड चीफ इंजीनियर की पत्नी की मौत

जयपुर। खोह नागोरियान थाना इलाके में जल जीवन मिशन घोटाले में जेल में बंद रिटायर्ड तकनीकी चीफ इंजीनियर दिलीप कुमार गौड़ उर्फ डीके गौड़ की पत्नी की सोमवार सुबह 8 बजे मंजिल से गिरने से मौत हो गई। घटना जगतपुरा स्थित वृंदा गार्डन अपार्टमेंट की है।

थानाधिकारी ओमप्रकाश मातवा ने बताया कि अपार्टमेंट में रहने वाली उर्मिला गौड़ (55) सोमवार सुबह करीब 7:15 बजे अपने फ्लैट की बालकनी में किसी काम से गई थीं। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने पर वह 8वीं मंजिल से नीचे ग्राउंड फ्लोर पर गिर गईं।

जोरदार आवाज सुनकर अपार्टमेंट के लोग मौके पर पहुंचे तो वह लहलुहान हालत में पड़ी तड़प रही थीं। लोगों ने तत्काल उन्हें जयपुरिया अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर खोह नागोरियान थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

डीजीपी से लेकर सिपाही तक सब एक रंग में रंगे

जयपुर (निसं)। होली और धुलंडी पर लगातार दो दिन तक कानून-व्यवस्था संभालने के बाद राजस्थान पुलिस के अधिकारियों और जवानों ने बुधवार शाम रिजर्व पुलिस लाइन जयपुर में उत्साह के साथ होली मनाई। जहां डीजीपी से लेकर सिपाही तक सब एक रंग में रंगे नजर आए जहां अधिकारी और कर्मचारी सभी ने जमकर होली खेली।

रंगों के इस आयोजन में पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा, डीजी संजय अग्रवाल और जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मितल भी जवानों के बीच पहुंचे। वरिष्ठ अधिकारियों ने गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और जवानों का उत्साह बढ़ाया।

लंबी ड्यूटी के बाद मिले इस अवसर पर पुलिसकर्मियों में खासा उत्साह दिखाई दिया। अधिकारियों और जवानों ने एक-दूसरे को रंग लगाकर त्योहार की खुशियां साझा कीं। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि त्योहारों के दौरान पुलिसकर्मियों अपने परिवार से दूर रहकर आमजन की सुरक्षा में तैनात रहते हैं। ऐसे आयोजन पुलिस परिवार में



बुधवार शाम रिजर्व पुलिस लाइन जयपुर में उत्साह के साथ होली खेली।

भाईचारा और उत्साह बढ़ाने का अवसर देते हैं। इससे पूर्व ज्योति नगर थाना परिसर में भी सुहार्द पुलिसकर्मियों ने हर्षोल्लास के साथ होली मनाई। थाना अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दीं तथा डीजे की धुन पर थिरकते नजर आए। पुलिस मुख्यालय की ओर से निर्देश जारी किए गए थे कि स्थानीय कानून-व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए एसपी, रंज आईजी और पुलिस आयुक्त अपने स्तर पर होली

आयोजन का निर्णय लें। इसी के तहत जयपुर सहित विभिन्न जिलों में परिस्थितियों के अनुसार कार्यक्रम आयोजित किए गए। गंगातलब है कि पुलिस बल रविवार सुबह से लगातार ड्यूटी पर तैनात रहा। धुलंडी के दिन और उसके बाद भी शहर की सड़कों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही। आमतौर पर पुलिसकर्मियों होली अगले दिन सुबह मनाते हैं, लेकिन इस बार दो दिन धुलंडी मनाए जाने के कारण आयोजन शाम को रखा गया।

उद्योगों में सुरक्षा संस्कृति अपनाना समय की जरूरत : उप मुख्यमंत्री

जयपुर, (निसं)। राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान (एचसीएन-पीए) में बुधवार को 5वां राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बेरवा ने उद्योगों में सुरक्षा संस्कृति अपनाने को समय की आवश्यकता बताते हुए कहा कि सुरक्षित कार्यस्थल औद्योगिक विकास की आधारशिला है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के विजन को साकार करने के लिए सुरक्षित और सुदृढ़ औद्योगिक वातावरण अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार उद्योगों में सुरक्षा मानकों को सुदृढ़ करने तथा श्रमिकों के लिए सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है।

डॉ. बेरवा ने कहा कि सुरक्षित कार्यस्थल न केवल श्रमिकों के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं, बल्कि उद्योगों की उत्पादकता बढ़ाने और देश के आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण

- राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस राज्य स्तरीय समारोह मनाया
- 15 औद्योगिक इकाइयों को कारखाना सुरक्षा पुरस्कार, सुरक्षा पुस्तिका का ई-विमोचन

भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस का उद्देश्य उद्योगों और संस्थानों में कार्यरत लोगों के बीच सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा सुरक्षित कार्य संस्कृति को मजबूत करना है। उन्होंने औद्योगिक इकाइयों से आधुनिक तकनीकों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, संसर आधारित निगरानी और रियल-टाइम मॉनिटरिंग जैसे उपायों को अपनाने का आह्वान किया।

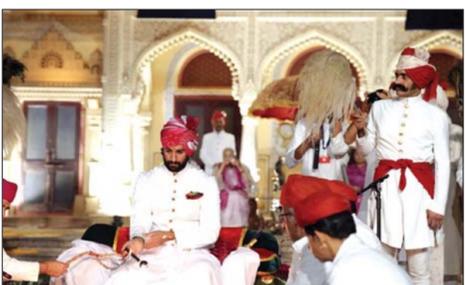
उन्होंने कहा कि इन तकनीकों के माध्यम से संभावित खतरों की समय

रहते पहचान कर दुर्घटनाओं को संभावना को कम किया जा सकता है और कार्यस्थलों पर सुरक्षा संस्कृति को और सुदृढ़ बनाया जा सकता है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन, संभावित खतरों का समय रहते आकलन तथा आधुनिक तकनीकों का उपयोग दुर्घटनाओं की रोकथाम में अत्यंत सहायक है। उन्होंने उद्योगों से श्रमिकों और कर्मचारियों को नियमित सुरक्षा प्रशिक्षण देने और कार्यस्थलों को सुरक्षित बनाने पर विशेष ध्यान देने की अपील की।

इस अवसर पर उनके द्वारा सुरक्षा जागरूकता पर आधारित पुस्तिका का ई-विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में कारखाना सुरक्षा पुरस्कार योजना-2026 के अंतर्गत औद्योगिक सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली इकाइयों को सम्मानित किया गया। इसके तहत वृद्ध, मध्यम और लघु श्रेणियों में चयनित कुल 15 औद्योगिक इकाइयों को कारखाना सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए गए।

सिटी पैलेस में पारम्परिक 'होलिका दहन' का आयोजन



जयपुर के सिटी पैलेस में सोमवार रात को पारम्परिक 'होलिका दहन' का आयोजन शाही शान-शौकत के साथ किया गया।

जयपुर, (निसं)। जयपुर के सिटी पैलेस में सोमवार रात को पारम्परिक 'होलिका दहन' का आयोजन शाही शान-शौकत के साथ किया गया। 'होलिका दहन' से पूर्व, जयपुर के हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने 'पूजन' एवं 'हवन' अनुष्ठान सम्पन्न किया। इस अवसर पर राजमाता पद्मिनी देवी, उप मुख्यमंत्री और राजपरिवार की सदस्य, दिया कुमारी

और प्रिंसेस गौरवी कुमारी भी उपस्थित रही।

समारोह में कई गणमान्य व्यक्ति और अतिथि सम्मिलित हुए। जयपुर में परंपरा के अनुसार, होलिका दहन के बाद स्थानीय लोग होली की पवित्र अग्नि को संबंधित कॉलोनीयों में 'होलिका दहन' के लिए ले गए। उत्सव के दौरान लोक कलाकारों द्वारा चंग की शानदार प्रस्तुति दी गई।

आईटीबी बर्लिन में राजस्थान पर्यटन का सशक्त आगाज़

जयपुर/बर्लिन, (निसं)। जर्मनी की राजधानी बर्लिन शहर में विश्व के सबसे बड़े पर्यटन व्यापार मेले आईटीबी बर्लिन का मंगलवार को उद्घाटन हुआ।

इस अवसर पर हॉल 5.2 में राजस्थान पर्यटन विभाग के स्टैंड 200 का विधिवत उद्घाटन भारत सरकार के

- वैश्विक मंच पर विरासत, स्थापत्य और सतत पर्यटन मॉडल की हुई प्रभावी प्रस्तुति

पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत तथा जर्मनी में भारत के राजदूत अजीत गुप्ते द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया।

भारत सरकार के पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राजस्थान पर्यटन पवेलियन में राजस्थान फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति-2025 को भी इस अवसर पर शोकेस किया। उद्घाटन समारोह में राजस्थान पर्यटन विभाग की आयुक्त रुक्मणी रियाड़, अतिरिक्त निदेशक पवन कुमार जैन एवं संयुक्त निदेशक डॉ. पुनीता सिंह



राजस्थान पर्यटन विभाग के स्टैंड 200 का विधिवत उद्घाटन पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत तथा जर्मनी में भारत के राजदूत अजीत गुप्ते द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया।

उपस्थित रहे। साथ ही राजस्थान के स्टैंड होल्डर में, टूली इंडिया पैलेस ओन व्हील्स, अल्केमी टू वोगाज प्राइवेट लिमिटेड एवं इंटरएक्टिव टूर डू इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि उपस्थित थे। राजस्थान पर्यटन विभाग की टीम का नेतृत्व कर रही आयुक्त श्रीमती रुक्मणी रियाड़ ने इस अवसर पर राजस्थान

फाउंडेशन जर्मनी के अध्यक्ष श्री हरगोविंद सिंह राणा से राजस्थान पर्यटन को बढ़ावा देने की चर्चा की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों, टूर संचालकों एवं आगंतुकों का राजस्थान पर्यटन विभाग भी राजस्थान एवं राजस्थान पर्यटन के नवाचारों के बारे में जानकारी दी। राजस्थान मंडप अपनी सांस्कृतिक भव्यता, स्थापत्य सौंदर्य और

नवाचारपूर्ण प्रस्तुति के कारण विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा। आईटीबी बर्लिन का आयोजन 3 से 5 मार्च तक होगा जिसमें भारत के अन्य राज्यों के साथ ही राजस्थान पर्यटन विभाग भी राजस्थान में विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि करने के लिए विभिन्न पर्यटन आकर्षणों को शो केस कर रहा है।

मुख्यमंत्री निवास पर होलिका दहन



सिविल लाइन्स स्थित मुख्यमंत्री निवास पर होली पूजन कर प्रदेशवासियों की खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की।

जयपुर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार मध्यरात्रि के पश्चात सिविल लाइन्स स्थित मुख्यमंत्री निवास पर होली पूजन कर प्रदेशवासियों की खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की। शर्मा ने यहां राज राजेश्वरी मंदिर प्रांगण में विधिवत रूप से होली पूजन किया। इसके बाद मंत्रोच्चारण के बीच होलिका दहन किया गया। इस दौरान राजस्थान पुलिस की आरएसी बटालियन के जवानों ने चंग की थाप

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने की प्रदेश में सुख-समृद्धि की कामना

पर होली के गीत और नृत्य प्रस्तुति किए। मुख्यमंत्री ने जवानों से मिलकर उनकी हौसला अफजाई की। होलिका दहन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सार-समाचार

होली के हुड़दंग से खुशियों में खलल: 900 से अधिक मरीज पहुंचे अस्पताल

जयपुर (निसं)। रंगों के पर्व होली पर हुड़दंग और लापरवाही ने कई परिवारों की खुशियों में खलल डाल दिया। शहर में विभिन्न हादसों में 100 से अधिक लोग चोटिल हुए। बीते 24 घंटे में एसएमएस अस्पताल जयपुर में मरीजों की संख्या में अचानक बढ़ोतरी दर्ज की गई। अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में कुल 329 मरीज पहुंचे। जिनमें से 17 मरीज ऐसे थे जो होली खेलने के दौरान गंभीर रूप से घायल हुए। इनमें से 6 को भर्ती किया गया, जबकि शेष को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। मुख्य इमरजेंसी में इस दौरान 633 मरीज पहुंचे, जिनमें से 153 को भर्ती करना पड़ा। होली खेलने के बाद आंख (स्क्रॉन), ईपनटी और नशे से संबंधित परेशानियों लेकर 5 मरीज भी अस्पताल पहुंचे। धुलंडी के दिन भी ट्रोमा सेंटर में 9 मरीज आए, जिनमें से एक को भर्ती किया गया। चिकित्सकों के अनुसार अधिकांश मामलों में बाइक फिसलने, सड़क हादसे, झगड़े और नशे की हालत में गिरने से चोटें आईं। अस्पताल अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी और ट्रोमा प्रभारी डॉ. राजेन्द्र मांडिया ने हालात पर लगातार नजर बनाए रखी। अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती कर उपचार व्यवस्था सुचारू रखी गई।

जवाहर सर्किल पुलिस ने 250 किलो मिलावटी पनीर जब्त कर किया नष्ट

जयपुर। होली और रमजान के बीच खाद्य पदार्थों में मिलावट पर सख्ती दिखाते हुए जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने टीला नंबर-1 के पास एक डेयरी पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 250 किलोग्राम संदिग्ध मिलावटी पनीर की खेप जब्त की। पनीर अलवर के भेवात क्षेत्र से तैयार होकर जयपुर लाया गया था। पुलिस ने लगातार नजर बनाए रखी। चिकित्सकों के अनुसार इसी दौरान टीला नंबर-1 के पास राधे बेकर्स के बाहर एक बाहरी नंबर की पिकअप गाड़ी खड़ी दिखाई दी। पुलिस वाहन को देखकर वहां मौजूद एक व्यक्ति मौके से फरार हो गया। उसके भागने पर पुलिस को संदेह हुआ और पिकअप की तलाशी ली गई। जांच के दौरान वाहन में रखे कंटेनरों में बड़ी मात्रा में पनीर भरा मिला। कंटेनर खोलते ही पनीर से तेज और अजीब बन्वू आ रही थी, जिससे उसके मिलावटी होने की आशंका गहरी गई। इसके बाद पुलिस ने तुरंत जिला कलेक्टर के कंट्रोल रूम को सूचना दी और सीएमएचओ जयपुर को फूड सेफ्टी टीम को मौके पर बुलाया। फूड सेफ्टी टीम अधिकारी विशाल मितल के नेतृत्व में मौके पर पहुंची। टीम ने पनीर के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे। प्रारंभिक जांच में पनीर को मिलावटी मानते हुए पूरी खेप को नष्ट करने के निर्देश दिए गए। पुलिस और फूड सेफ्टी टीम की निगरानी में करीब 250 किलोग्राम पनीर को ईटाहा के पास स्थित नाले में डालकर नष्ट कर दिया गया। पुलिस ने पिकअप वाहन को जब्त कर लिया है और फरार व्यक्ति की तलाश की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि त्योहारों के मद्देनजर खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

फ्लाइट कू से दुर्व्यवहार करने वाला यात्री गिरफ्तार

जयपुर। मुंबई से जयपुर आ रही स्पाइसजेट की फ्लाइट में एक यात्री द्वारा सिगरेट पीने की कोशिश और क्रू मेंबर से अशुभता का मामला सामने आया है। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंडिंग के बाद पुलिस ने आरोपी यात्री को हिरासत में ले लिया। क्रू मेंबर ने उसके खिलाफ एयरपोर्ट थाने में लिखित शिकायत दी है। जानकारी के अनुसार मामला मंगलवार सुबह फ्लाइट एसजी-920 का है। फ्लाइट ने सुबह 9:30 बजे मुंबई से जयपुर के लिए उड़ान भरी थी। टेकऑफ के तुरंत बाद एक यात्री ने विमान के भीतर सिगरेट जलाने की कोशिश की। क्रू मेंबर ने उसे विमान की जानकारी देते हुए रोका तो वह भड़क गया और हंगामा करने लगा। आरोप है कि उसने क्रू मेंबर के साथ दुर्व्यवहार करते हुए आपत्तजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। क्रू ने स्थिति को संभालते हुए अन्य यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की। फ्लाइट सुबह करीब 11:35 बजे जयपुर एयरपोर्ट पर पहुंची, लेकिन यहां भी यात्री का हंगामा जारी रहा। अराइवल एरिया में भी उसने अशुभ व्यवहार किया। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन वहां नहीं माना। इसके बाद एयरलाइन स्टाफ ने पूरे घटनाक्रम को सूचना देकर पुलिस को दी। एयरपोर्ट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी यात्री को हिरासत में ले लिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने आमजन के साथ होली का त्योहार मनाया

मुख्यमंत्री निवास पर ब्रज के गायन व नृत्य के साथ शेखावाटी की फाग मंडली ने रंग जमाया

जयपुर, 4 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को आमजन के साथ होली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया। मुख्यमंत्री निवास पर हुए होली महोत्सव में प्रदेश भर से हजारों की संख्या में आए लोगों ने फूलों और प्राकृतिक रंगों के साथ यह त्योहार मनाया। इस अवसर पर शर्मा ने सप्लीक आमजन को गुलाल लगाया और फूलों की वर्षा कर सभी का अभिनन्दन किया।

■ **जैसलमेर से धौलपुर तथा हनुमानगढ़ से बांसवाड़ा, विभिन्न जिलों से हजारों की संख्या में आए आमजन ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ फूलों व प्राकृतिक रंगों से होली का उत्सव मनाया।**



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर प्रदेश भर से हजारों लोगों के साथ होली का त्योहार मनाया। इस अवसर पर उन्होंने आमजन को गुलाल लगाया और फूलों की वर्षा कर सभी का अभिनन्दन किया।

इस पावन पर्व पर ब्रज से लेकर शेखावाटी तक की होली के विभिन्न रूप देखने को मिले। ब्रज से आए भारतीय कला संस्थान के कलाकारों एवं भजन मंडली ने गायन और नृत्य के साथ समां बांधा। वहीं, शेखावाटी के फतेहपुर की गो वत्स फाग मंडली के कलाकारों ने

चंग के साथ धमाल मचाया। मुख्यमंत्री ने भी कलाकारों के बीच जाकर फाल्गुन के गीतों में साथ निभाया। बच्चे हों, बूढ़े हों, महिला हों या जवान, सभी में मुख्यमंत्री के साथ होली खेलने को लेकर अलग ही उत्साह नजर आया।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को

हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रंगों के इस त्योहार पर सभी को कदता भुलाकर खुशियों के साथ जीवन बिताने का संकल्प लेना चाहिए।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा, राज्यसभा सांसद मदन राठीड़, मंजू शर्मा,

विधायक कुलदीप धनखड़, गोपाल शर्मा सहित, अन्य सांसद, विधायक, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं जैसलमेर से धौलपुर और हनुमानगढ़ से बांसवाड़ा सहित, प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

तेहरान के ट्रैफिक कैमरों को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) के एक साधारण से हिस्से की गतिविधियाँ इज़रायल को दिखाया दीं। जटिल एल्गोरिद्म के माध्यम से सुरक्षा कर्मियों के बारे में विस्तृत डाज़ियर तैयार किए गए, जिनमें उनके पते, द्यूटी के घंटे, कार्यस्थल तक आने-जाने के मार्ग और सबसे महत्वपूर्ण, वे आम तौर पर किसकी सुरक्षा और आवागमन की जिम्मेदारी संभालते थे, जैसी जानकारी शामिल थी। खुफिया अधिकारी इसे "पैटर्न ऑफ़ लाइफ़" तैयार करना कहते हैं। यह प्रयास कई वर्षों से चल रहे खुफिया अभियान का हिस्सा था, जिनके 86 वर्षीय अयातुल्ला की हत्या का मार्ग प्रशस्त किया। रियल-टाइम ट्रैफिक डेटा की निगरानी उन तरीकों में से एक थी, जिसके जरिए इज़रायल और सेंट्रल इन्टेलिजेंस एजेंसी (सीआईए) यह तय

कर सके कि शनिवार सुबह सर्वोच्च नेता ठीक किस समय अपने कार्यालय में होंगे और उनके साथ कौन-कौन मौजूद रहेगा। इससे पहले "रॉयटर्स" ने भी रिपोर्ट किया था कि इज़रायली खुफिया एजेंसियों ने तेहरान के केन्द्र में स्थित नेतृत्व परिसर में शनिवार सुबह एक बैठक का पता लगाया था, जिसके बाद हमले का समय पहले कर दिया गया। महत्वपूर्ण रूप से, सीआईए को यह जानकारी मिल गई थी कि सर्वोच्च नेता उस समय परिसर में मौजूद होंगे। रिपोर्ट के अनुसार, इज़रायल पाक्षर स्ट्रीट के आसपास स्थित लागभर एक दर्जन मोबाइल फोन टावरों के कुछ हिस्सों को अवरूद्ध करने में भी सक्षम रहा। इससे फोन कॉल करने पर लाइन व्यस्त दिखाई देती थी और खामनेई की सुरक्षा टीम संभावित चेतावनियां प्राप्त नहीं कर सकी।

तेहरान की इस विस्तृत खुफिया तस्वीर के पीछे लंबे समय तक किया गया डेटा संग्रह था। यह इज़रायल की उन्नत सिग्नल इंटरलिजेंस इकाई युनिट 8200, उसकी विदेशी खुफिया एजेंसी मोसाद द्वारा भर्ती मानव स्रोतों और सैन्य खुफिया द्वारा रोज़ाना तैयार किए जाने वाले विश्लेषणात्मक ब्रीफ का परिणाम था।

रिपोर्ट के अनुसार, इज़रायल ने करोड़ों डेटा बिंदुओं का विश्लेषण करने के लिए सोशल नेटवर्क प्लालिसिस नामक गणितीय पद्धति का उपयोग किया।

पिछले जून में 12 दिन तक चले युद्ध के दौरान इज़रायल की खुफिया बढ़त स्पष्ट रूप से दिखाई दी, जब शुरूआती हमलों में ही एक साथ दर्जन से अधिक ईरानी परमाणु वैज्ञानिकों और उच्च सैन्य अधिकारियों की हत्या कर दी गई थी।

वरिष्ठ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) संपादक के रूप में उनके योगदान की विरासत संदेह याद रखी जाएगी।" वरिष्ठ कांग्रेस नेता शशि थरुर ने उन्हें "पत्रकारिता का दिग्गज" बताते हुए श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, "पत्र धूषण, पूर्व राज्यसभा सांसद, संपादक, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री के मीडिया सलाहकार और डेनमार्क में भारत के पूर्व राजदूत, एच के दुआ के आज दोहरा 88 वर्ष की आयु में शांतिपूर्वक निधन के समाचार से शोक-संतपन हूँ।" कांग्रेस सांसद मनोष तिवारी ने भी उनके निधन पर दुःख जताया और दबाव के समय में भी उनकी निष्पक्षता और दृढ़ता की सराहना की। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, "एच. के. दुआ के निधन का समाचार दुःख है। वे उस दौर के संपादक थे, जब संपादक होना वास्तव में मायने रखता था।"

खामनेई का अंतिम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) और नई तरीख की घोषणा बाद में की जाएगी। अंतिम दर्शन का आयोजन करने वाली संस्था, तेहरान की इस्लामिक डेवलपमेंट कोऑर्डिनेशन कार्डसिल के प्रमुख मोहमेन महमूद ने मीडिया को बताया कि इसका एक प्रमुख कारण लक्षां लोगों की मौजूदगी की आशंका है। समाचारों के अनुसार अंतिम संस्कार की तैयारियां चल रही हैं और इसमें भारी भीड़ जुटने की आशंका है, जिसके चलते शोक सभा पर अमेरिका-इज़रायल के हथेलों का खरारा मंडरा रहा है। 1989 में अयातुल्ला रहोल्लाह

खुमैनी के अंतिम संस्कार में लगभग 1 करोड़ लोग शामिल हुए थे। यह रिपोर्ट ईरान की इस्लामिक प्रचार परिषद के प्रमुख हुज़तुल्लेस्लाम महमूद के उस बयान के कुछ घंटों बाद आई है, जिसमें उन्होंने पहले कहा था कि विदाई समारोह तेहरान के इमाम खुमैनी प्रार्थना कक्ष में रात 10 बजे (18:30 जीएएमटी) शुरू होगा और तीन दिनों तक चलेगा। महमूद ने कहा कि प्रार्थना कक्ष आने वाले लोगों के लिए खुला रहेगा और प्रिय लोग विदाई समारोह में शामिल हो सकते हैं।

महाराष्ट्र में भाजपा ने राज्यसभा चुनाव के लिए चार प्रत्याशी घोषित किए

नई दिल्ली, 04 मार्च। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने महाराष्ट्र समेत 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए चार उम्मीदवारों की दूसरी सूची बुधवार को जारी की। इसमें सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री एवं आरपीआई (ए) के प्रमुख रामदास अठवले और भाजपा महासचिव विनोद तावड़े के नाम शामिल हैं, जिनको महाराष्ट्र से उम्मीदवार बनाया गया है।

भारत और चीन ने खामनेई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) कहा कि पश्चिम एशिया (मध्य पूर्व) की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नो के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा, "भारत शांति और स्थिरता के पक्ष में है।" उन्होंने कहा, "भारत हमेशा ऐसे विवादों के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति की वकालत करता रहा है", और इस प्रकार संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान पर नई दिल्ली की पुरानी नीति को दोहराया। वैश्विक प्रतिक्रियाओं के

विदेश मंत्रालय ने प. एशिया में भारतीय नागरिकों के लिए कंट्रोल रूम बनाया

नई दिल्ली, 04 मार्च। पश्चिम एशिया में बढ़ ते संकट को देखते हुए विदेश मंत्रालय (एमईए) ने वहां रहने वाले प्रभावित भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है।

विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को बताया कि पश्चिम एशिया में बढ़ ते संकट को देखते हुए विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक कंट्रोल रूम बनाया है।

■ **इस क्षेत्र में करीब एक करोड़ भारतीय रहते हैं व इनकी सुरक्षा भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।**

इसका मकसद वहां रहने वाले प्रभावित लोगों की मदद करना है। मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम एशिया में लगभग 1 करोड़ भारतीय रहते हैं और उनकी सुरक्षा एवं कल्याण नई दिल्ली के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत सरकार ने हेल्थलाइन नंबर भी जारी किए हैं।

रणधीर जायसवाल ने कहा कि पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र की मौजूदा स्थिति को देखते हुए विदेश मंत्रालय में एक स्पेशल कंट्रोल रूम बनाया गया है। इस कंट्रोल रूम से लोग सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक इन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं, जिसका टोल फ्री नंबर इस प्रकार 18000118799, 91 11 2301 2113, 91 11 2301 4104 और 91 11 2301 7905 है।

एसओजी ने 21 हजार के इनामी डमी परीक्षार्थी को गिरफ्तार किया

आरोपी ने 2023 की सहायक अभियंता (सिविल) परीक्षा में डमी परीक्षार्थी के रूप में परीक्षा दी थी

■ **आरोपी गुरदीप दास पर हरियाणा व राजस्थान में सात अपराधिक मामले दर्ज हैं। पूर्व में भी वह विभिन्न परीक्षाओं में डमी के रूप में बैठने के मामले में लिप्त पाया गया है।**

गिरफ्तार किया।

प्रारंभिक पृष्ठताछ में सामने आया है कि आरोपी गुरदीप दास ने ब्यूट्यू डिवाइस के माध्यम से बाहरी सहायता प्राप्त कर परीक्षा दिलवाई और मूल अभ्यर्थी को अनुचित लाभ पहुंचाया। चौकाने वाली बात यह है कि गुरदीप दास के पास कोई इंजीनियरिंग डिग्री नहीं है और वह मात्र 12वीं पास है। इसके बावजूद परीक्षा में उसकी सफलता से पेपर लीक की आशंका भी गहराई है, जिसकी जांच की जा रही है। जांच में यह भी सामने आया कि मूल अभ्यर्थी इंद्राज सिंह के पास इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की डिग्री होने के बावजूद उसने सिविल अभियंता पद के लिए आवेदन किया और डमी परीक्षार्थी के माध्यम से परीक्षा उत्तीर्ण कर सरकारी सेवा प्राप्त करने का प्रयास किया।

अब तक इस प्रकरण में एक मूल अभ्यर्थी, एक डमी परीक्षार्थी और दो

सहयोगियों सहित कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

एसओजी के अनुसार आरोपी गुरदीप दास के खिलाफ हरियाणा और राजस्थान में कुल सात अपराधिक मामले दर्ज हैं। पूर्व में भी वह विभिन्न परीक्षाओं में डमी के रूप में बैठने के मामलों में लिप्त पाया गया है। इस मामले में पेपर लीक और ब्यूट्यू नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों के संबंध में विस्तृत पूछताछ जारी है। एसओजी का कहना है कि पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश कर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

एमवीए ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) संयुक्त उम्मीदवार बनाए जाने की सहमति दी है। सुप्रिया सुले ने बताया कि शरद पवार कल राज्यसभा के लिए अपना नामांकन भरेंगे और महाविास अघाड़ी को मजबूत बनाने के लिए काम करेंगे। सुप्रिया सुले ने यह भी कहा कि वे इस सिलसिले में मंगलवार को शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे से मिली थीं और उद्धव ठाकरे ने भी शरद पवार को समर्थन दिया है। सुप्रिया सुले ने उद्धव ठाकरे का भी आभार व्यक्त किया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि शरद पवार हमारे वरिष्ठ नेता हैं और इसी संघर्ष से पार्टी ने पवार को समर्थन दिया है।

कतर ने भारत को गैस आपूर्ति में 40 प्रतिशत की कटौती की

ईरान द्वारा अमेरिकी ठिकानों पर किए जा रहे हमले के कारण कतर ने यह कदम उठाया है

■ **भारत कुल 2.7 करोड़ टन प्राकृतिक गैस का आयात करता है, इसमें से 40 प्रतिशत की आपूर्ति कतर से होती है।**

परिस्थिति) घोषित कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, इस बाधा के चलते भारतीय उद्योगों को मिलने वाली गैस आपूर्ति में 10 से 40 प्रतिशत तक कटौती की गई है। कतर हर साल भारत की ओर से आयात की जाने वाली करीब 2.7 करोड़ टन एलएनजी में से लगभग 40 प्रतिशत सप्लाई करता है।

सूत्रों के मुताबिक, गैस आयातक

व शिपिंग लागत भी बढ़ गई है। ईरान इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को नियंत्रित करता है, जहां से भारत के लगभग 50 प्रतिशत कच्चे तेल और 54 प्रतिशत एलएनजी आयात गुजरते हैं।

पेट्रोनेट के पास कतर से सालाना 85 लाख टन एलएनजी खरीदने का दीर्घकालिक अनुबंध है। इसके अलावा, वह हाजिर बाजार से भी कतर की एलएनजी खरीदती है।

पेट्रोनेट के अलावा, आईओसी जैसी कंपनियों के संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ भी एलएनजी आयात अनुबंध है।

ईरान-अमेरिका-इज़रायल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) में लगभग दस जहाजों पर हमले हो चुके हैं और यह संकरा समुद्री मार्ग ईरान के बहुत पास होने के कारण इसे तुरंत पूरी तरह सुरक्षित करना आसान नहीं है। हालांकि अमेरिका दावा कर रहा है कि वह जल्द ही इस जलडमरूमध्य को सुरक्षित कर देगा। राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने होरमुज्ब से गुजरने वाले तेल टैंकरों को अमेरिकी नौसेना की सुरक्षा देने का वादा किया है।

प्रमुख शिपिंग कंपनियों, मार्स्क और हापाग लॉयड, ने होर्मुज्ब जलडमरूमध्य से माल बुलाई के लिए नई बुकिंग स्वीकार करने से इनकार कर दिया है।

अमेरिका के युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने श्रीलंका के पास अमेरिकी टॉरपीडो से ईरानी युद्धपोत डुबोने की पुष्टि की और कहा कि अगले चरण में ईरान पर हमले और तेज किए जाएंगे। उन्होंने एक प्रेस वार्ता में दावा किया कि अमेरिका निर्दयता से युद्ध जीत रहा है। उन्होंने पिछले चार दिनों में बड़ी सफलताओं का दावा करते हुए कहा कि युद्ध शुरू हुए अभी केवल चार दिन ही हुए हैं। सामान्य तौर पर युद्ध के समय अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में दुश्मन के युद्धपोत हमले के लिए सही लक्ष्य माने जाते हैं। लेकिन सवाल यह है कि वह जहाज तटीय जल में था या अंतरराष्ट्रीय जल में। उन्होंने हमलों का लैवल और

■ **नाटो देशों में भी मतभेद उत्पन्न हो गए हैं, स्पेन ने अपने हवाई अड्डों को अमेरिकी हवाई जहाजों के उपयोग में लाने से मना कर दिया है तथा कुपित ट्रंप ने स्पेन को चेतावनी दी है कि वह स्पेन से कोई व्यापारिक खरीद-फरोख्त के संबंध नहीं रखेगा।**

बढ़ाने तथा ईरान पर कड़ा प्रहार करने की चेतावनी भी की। ईरानी पनडुब्बी फरवरी की शुरुआत से ही इन जलक्षेत्रों में मौजूद थीं। वह भारत के संरक्षण में आयोजित एक संयुक्त अंतरराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास में भाग लेने आई थी, जिसमें कई देशों के युद्धपोत और पनडुब्बियां शामिल हुई थीं। भारत ने अब तक हिंद महासागर में, युद्ध क्षेत्र से दूर, इस जहाज के डूबने पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। लेकिन, भारतीय जलक्षेत्र के पास इस तरह की कोई भी घटना दोबारा होने पर भारत के लिए काफी चिंता और मुश्किल स्थिति पैदा हो सकती है। श्रीलंकाई नौसेना और सरकार ने कहा है कि एक समुद्री राष्ट्र होने के नाते कोई भी संकट संदेश (एसओएस) मिलने पर वो बचाव अभियान चलाएंगे। यह भी उल्लेखनीय है कि चीन के श्रीलंका में कुछ नौसैनिक अड्डे और गतिविधियां हैं। यदि किसी भी तरह से चीनी जहाज इस संघर्ष की चपेट में आते हैं, तो इससे बड़ा संकट पैदा हो सकता

पूर्व विदेश मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) खिलाफ पेश करना चाहता था। मुद्दा कश्मीर में मानवाधिकार उल्लंघन का थी और आरोप लगाए जा रहे थे कि भारत सरकार और भारतीय सेना कश्मीरियों पर अत्याचार कर रही है। मामला तब गंभीर हो गया, जब लगभग सभी मुस्लिम देशों ने पाकिस्तान के प्रस्ताव का समर्थन करने पर सहमति जता दी।

हरियत नेताओं ने दिल्ली आकर ईरानी राजदूत से मुलाकात की और समर्थन मांगा। राजदूत ने अपनी सरकार से बात करने का आश्वासन दिया।

इसी बीच चिंतित प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हाराव ने महसूस किया कि भारत की प्रतिष्ठा दांव पर है और तत्काल कूटनीतिक हस्तक्षेप आवश्यक है। उस समय विदेश मंत्री राजा दिनेश सिंह गंभीर रूप से बीमार थे और अस्पताल में भर्ती थे। उन्हें अस्पताल से व्हीलचेयर पर बाहर लाया गया और प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हाराव का एक पत्र लेकर 72 घंटे की यात्रा पर ईरान भेजा गया।

वे ईरान पहुँचे, और वहाँ के विदेश मंत्री से मुलाकात की और अपनी यात्रा की तात्कालिकता समझाई। राजा दिनेश सिंह को प्रतीक्षा करने के लिए कहा गया। इसके बाद ईरान के सर्वोच्च नेतृत्व की एक आपात बैठक हुई।

बैठक के बाद गंभीर रूप से बीमार दिनेश सिंह यह शुभ समाचार लेकर नई दिल्ली लौटे कि ईरान, पाकिस्तान के

■ **दिनेश सिंह अपनी जिम्मेवारी पूरी करके पुनः अस्पताल गए और वहीं अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई थी।**

भारत-विरोधी प्रस्ताव का समर्थन नहीं करेगा।

नियमों के अनुसार, प्रस्ताव का सर्वसम्मति से पारित होना आवश्यक था, यदि एक भी देश असहमति जताए, तो प्रस्ताव वैध नहीं माना जाता। ठीक वही हुआ। ईरान के रख के कारण प्रस्ताव पारित नहीं हो सका और भारत एक बड़े सार्वजनिक अपमान से बच गया। भारत के प्रति ईरान के इस रख ने उस समय भारत को महत्वपूर्ण कूटनीतिक सहायता दी।

ईरान से लौटने के बाद राजा दिनेश सिंह को तबियत और बिगड़ गई। वे फिर अस्पताल में भर्ती हुए और राष्ट्र के प्रति अपना यह कर्तव्य निभाने के बाद उनका निधन हो गया। जो लोग यह कहते हैं कि ईरान कभी भारत के साथ नहीं खड़ा हुआ, उन्हें अपने इतिहास को फिर से देखना चाहिए। और शायद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी भारतीय इतिहास, भारत की विदेश नीति और यह समझने की आवश्यकता है कि समय के साथ वह किस प्रकार परिवर्तित हुई है।

क्या विश्व तीसरे विश्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) हस्तक्षेप करते हैं, या यदि नाटो को सीमित अमेरिकी भागीदारी से आगे बढ़कर औपचारिक रूप से लंबे समय तक युद्ध में शामिल होना पड़ता है, तो रणनीतिक स्थिति पूरी तरह बदल जाएगी। अब तक बीजिंग और मांस्को, दोनों ने सैनिक भेजने या खुली सैन्य कार्रवाई करने के बजाय, स्वयं को केवल कूटनीतिक बनाया, सख्त शब्दों और सावधानी की नीति तक सीमित रखा है।

इतिहास कुछ दृष्टिकोण देता है। 1980 के दशक का ईरान-इराक युद्ध बहुत ही क्रूर और अस्थिर करने वाला था, फिर भी वह वैश्विक युद्ध में नहीं बदल जाए। जब राष्ट्रीय प्रतिष्ठा और अमेरिका के नेतृत्व में इराक पर हुए हमलों ने क्षेत्र की स्थिति बदल दी, लेकिन वे महाशक्तियों के बीच सीधे युद्ध का कारण नहीं बने। सीरिया का लंबा संघर्ष भी, जिसमें कई बाहरी शक्तियाँ शामिल थीं, सीधे बड़ी शक्तियों के युद्ध तक नहीं पहुँचा। आज की अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, गहरी दुश्मनी के बावजूद, परमाणु हथियारों से लैस देशों के बीच सीधे टकराव के विनाशकारी परिणामों को लेकर बहुत ज्यादा सचेत है।

फिर भी खतरा, जानबूझकर बनाई गई योजना में कम, और गलत आकलन में ज्यादा छिपा है। पहला विश्व युद्ध

इसलिए शुरू नहीं हुआ था कि नेता विश्व युद्ध चाहते थे; वह इसलिए फैल गया, क्योंकि गुटबन्धनों, सैनिक तैयारियों और जवाबी कार्रवाइयों ने हालात को नियंत्रण से बाहर कर दिया। वर्तमान स्थिति में खरारा यह है कि कहीं कोई भटकी हुई मिसाइल बड़ी संख्या में अमेरिकी सैनिकों को नुकसान पहुँचा दे, खाड़ी क्षेत्र के किसी महत्वपूर्ण ढाँचे पर हमला क्षेत्रीय देशों को पूरी तरह युद्ध में खींच ले, या होर्मुज्ब जलडमरूमध्य में नौसैनिक टकराव बड़े समुद्री संघर्ष में बदल जाए। जब राष्ट्रीय प्रतिष्ठा और अमेरिका को बुरी तरह प्रभावित करेगा। अमेरिका और चीन सहित, बड़ी शक्तियाँ आर्थिक रूप से एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई हैं। एक दूसरे पर यह निर्भरता, रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के बावजूद, एक प्रकार के ब्रेक का काम करती है।

तो क्या हम तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ रहे हैं? अभी की स्थिति में यह लड़ाई गंभीर क्षेत्रीय युद्ध बनी हुई है, जिसके वैश्विक आर्थिक प्रभाव तो हैं, लेकिन यह कई गुटों के बीच होने वाला वैश्विक सैन्य टकराव नहीं है। तनाव

जाता है, अब असाधारण प्रतिबंधों का सामना कर रहा है। हवाई क्षेत्र तक पहुँच गंभीर रूप से सीमित होने के कारण, आगमन और प्रस्थान दोनों ऐतिहासिक रूप से निम्न स्तर पर आ गए हैं।

2 मार्च 2026 के आँकड़े स्थिति की गंभीरता को दर्शाते हैं। फ्लाइटट्रेडर 24 के अनुसार, उस दिन दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कुल मिलाकर केवल 20 विमानों का ही संचालन हुआ, 16 विमानों ने उड़ान भरी थी और 4 विमान हवाई अड्डे पर उतरे थे।

जगन्नाथ मंदिर का खजाना खुलेगा, 25 मार्च से सूची बनेगी

पुरी, 04 मार्च। ओडिशा सरकार ने श्री जगन्नाथ मंदिर के बहुचर्चित 'रत्न भंडार' की गिनती और सूची तैयार करने की प्रक्रिया 25 मार्च से शुरू करने का निर्णय लिया है। दोपहर 12:12 बजे से 1:45 बजे तक शुभ मुहूर्त में यह ऐतिहासिक कार्य आरंभ होगा।